RNI No. MAHHIN/2008/24974, Postal Regd No. MCS-206/2025-27, License to post without payment **MR/Tech/WPP-287/South/2025-27**
Post at Mumbai Patrika Channel Stg. Office, Mumbai G.P.O., Mumbai- 01. Posting Date : 14-15 Every Month, Publishing Date : 14 Every Month

आभूषण टाइम्स

वर्ष : 18 | अंक : 09 | नवम्बर 2025 | मासिक | पृष्ठ : 48 | मूल्य : ₹50

Brilliant® Bharat
AN IIJS THEME

ORGANISED BY
GJEPC INDIA
Sponsored by Ministry of Commerce & Industry

REDEFINING JEWELLERY TRADE - GLOBALLY.

NURTURING BUSINESSES. DRIVING YOUR GROWTH.

IIJS Bharat
SIGNATURE MUMBAI 2026
INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW

8th to 11th January 2026
Jio World Convention Centre- Mumbai

9th to 12th January 2026
Bombay Exhibition Centre- Mumbai

18th Edition | 1600+ Exhibitors | 3300+ Stalls | 125000+ Sq. mtrs of Exhibition Area | 25000+ Expected Visitors | Visitors from 800+ Cities in India | Visitors from 60+ Countries

The Select Club
EXCLUSIVE HIGH-END COUTURE JEWELLERY

JASMINE HALL,
JIO WORLD CONVENTION CENTRE, MUMBAI

IIJS. WHERE GLOBAL BUSINESS HAPPENS.

Tap into one of the world's fastest-growing jewellery markets.

Scan for Visitor Registration

The Gem & Jewellery Export Promotion Council
Sponsored by Ministry of Commerce & Industry
Toll Free Number : 1800-103-4353 | Missed Call Number : +91-7208048100
www.gjepc.org | gjepcindia | gjepcindia | gjepcindia | iijs.gjepc

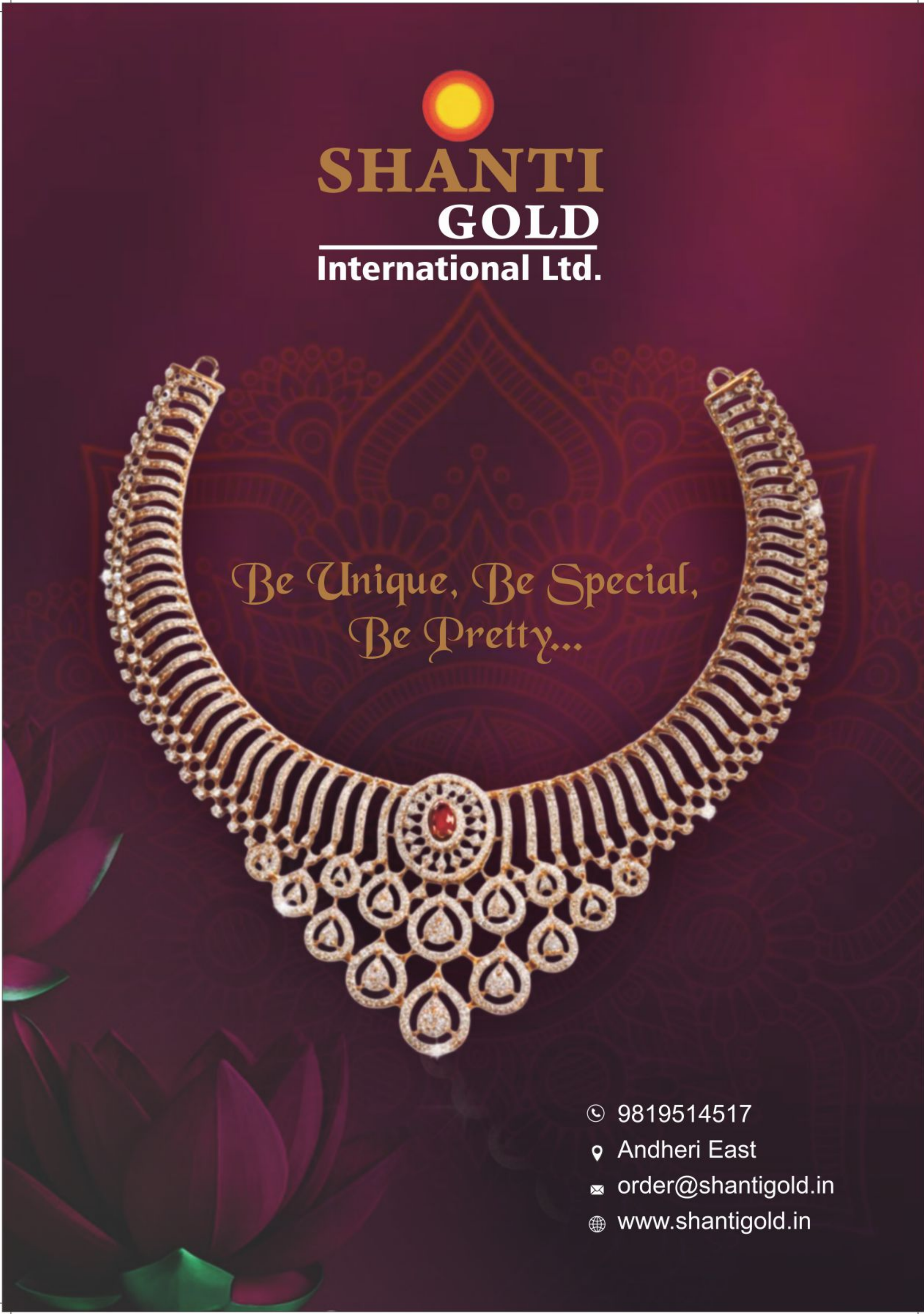
SHANTI
GOLD
International Ltd.
Be Unique, Be Special,
Be Pretty...
9819514517
Andheri East
order@shantigold.in
www.shantigold.in

GM
SWITCH TO A BETTER WORLD
THE ULTIMATE
BREEZY COMFORT
AERO360
CEILING FAN
White Gold
Brown Chrome
Wenge Wood Gun Metal
Black Gun Metal
Oak Wood Chrome
Remote
ace
TECH
2025
MUMBAI
06 07 08 09 NOV'25
HALL 1 STALL NO.B1-2
BOMBAY EXHIBITION CENTRE, GOREGAON
Presenting the Aero360 Ceiling Fan with Remote Control, combining modern technology with sleek design. This energy-efficient fan features a powerful & advanced BLDC motor that reduces energy consumption while delivering exceptional cooling performance. The remote control allows you to adjust speed and settings effortlessly, adding convenience to your daily life. With whisper-quiet operation and contemporary aesthetics, this fan is the perfect addition to modern interiors.
Modular Switches • Touch Switches • Wi-Fi Switches • Home Automation Solutions • Bluetooth Music System
Video Door Phones • LED Lighting • Wires & Cables • PVC Pipes & Fittings • DBs, MCBs & RCCBs • Fans & Appliances
www.gmmodular.com | info@gmmodular.com

गोल्ड व सिल्वर के उतार - चढ़ाव में बदलती ज्वेलरी बाजार की नब्ज़!

गोल्ड व सिल्वर के मामले में, अक्टूबर-नवंबर 2025 का वक्त इतिहास में असाधारण रहा। 'आभूषण टाइम्स' ने अपने 25 साल के इतिहास में इतना उतार चढ़ाव कभी नहीं देखा। एक ओर सिल्वर ने रिकॉर्ड तोड़ रफ्तार पकड़कर 54 यूएस डॉलर प्रति औंस का नया शिखर छुआ, वहीं गोल्ड भी 4400 यूएस डॉलर प्रति औंस से ऊपर जाकर फिर नीचे फिसला। घरेलू बाजार में दोनों धातुओं के भावों ने निवेशकों और ज्वेलर्स को सांसें थमाने पर मजबूर कर दिया। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों, अमेरिकी डॉलर की चाल, कच्चे तेल और मुद्रास्फीति के दबाव के बीच भारत में कीमती धातुओं का व्यापार अब केवल भावनाओं से नहीं, बल्कि वैश्विक वित्तीय नीतियों से भी प्रभावित हो रहा है। आप जानते हैं कि 'आभूषण टाइम्स' बाजार की धड़कनों और आपके हालात पर सदा ही नजर रखता है। अतः हमारा कहना है कि ज्वेलरी उद्योग के लिए यह समय न केवल परीक्षण का है, बल्कि रणनीतिक सोच और दीर्घकालिक दृष्टिकोण का भी है, क्योंकि बाजार की हर तेजी और गिरावट ग्राहक की खरीदारी मनोवृत्ति को सीधे प्रभावित कर रही है। मगर 'आभूषण टाइम्स' विभिन्न अध्ययनों पर आधार रखता है, अतः यह कहना उचित होगा कि गोल्ड और सिल्वर की चमक भले ही दामों के साथ घटे - बढ़े, पर भारतीय बाजार की चमक कभी फीकी नहीं पड़ती।

गोल्ड को 'आभूषण टाइम्स' बाजार की ताकत और व्यापार की धड़कन मानता रहा है। लेकिन सन 2025 में गोल्ड की यात्रा तेज उतार - चढ़ाव से भरी रही। इस साल की शुरुआत में डॉलर की कमजोरी और वैश्विक अस्थिरता के कारण गोल्ड में मजबूती आई, किंतु साल के बीच में अमेरिकी ब्याज दरों और कच्चे तेल के दबाव से गोल्ट के रेट्स ने करवट ली। अगस्त से अक्टूबर 2025 के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड अचानक से तेजी पकड़ता हुआ अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया, लेकिन फेडरल रिज़र्व की कड़ी मौद्रिक नीति और डॉलर इंडेक्स की मजबूती के चलते नवंबर तक यह फिर से लगभग 12 हजार रुपए नीचे आ गया। नवरात्रि से पहले गोल्ड ने बढ़त लेनी शुरू की और 1 लाख 32 हजार के पार पहुंच गया, मगर दीपावली के आते आते फिसल गया और कार्ति पूर्णिमा के आसपास गोल्ड 1 लाख 20 हजार के आसपास ट्रेंड करने लगा। फिर भी भारतीय उपभोक्ताओं में गोल्ड पर भरोसा कायम है। ज्वेलर्स के लिए यह स्थिरता का स्तंभ है, क्योंकि हर गिरावट पर खरीदी बढ़ती है। इसीलिए ज्वेलरी मार्केट के विशेषज्ञों सहित 'आभूषण टाइम्स' का भी मानना है कि 2026 में भी गोल्ड औसतन 1.30 लाख के आसपास के दायरे में मजबूती बनाए रख सकता है।

सिल्वर में रिकॉर्ड ऊंचाई से तेज़ गिरावट तक का सफ़रनामा भी जबरदस्त राह। सदा से ही गोल्ड की छाया में रहने वाले सिल्वर ने इस वर्ष सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। औद्योगिक मांग, सौर ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों में उपयोग बढ़ने के कारण सिल्वर ने जबरदस्त रफ्तार पकड़ी और अक्टूबर 2025 में ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया। बाजार में वास्तविक रेट पर 20 हजार तक का प्रीमियम वसूला जा रहा था, जो आश्चर्यजनक था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सिल्वर की कीमतें 54 प्रति औंस तक पहुंची और भारत में 2 लाख रूपए प्रति किलो के आंकड़ा पर पहुंचा। लेकिन कुछ ही सप्ताह में कीमतें 25 फीसदी तक गिर गईं। इस गिरावट के पीछे डॉलर की मजबूती और सप्लाई में अस्थायी सुधार जैसे कारण रहे। परंतु दीर्घकालिक दृष्टि से देखा जाए तो सिल्वर की मांग आने वाले वर्षों में और बढ़ने की संभावना है। आगले साल 2026-27 तक यह फिर से 2 लाख से लेकर 2.5 लाख प्रति किलो के स्तर को छू सकता है। 'आभूषण टाइम्स' सदा से ही कहता रहा है कि भारतीय बाजार में सिल्वर अब केवल ज्वेलरी नहीं, बल्कि एक उभरता हुआ औद्योगिक मेटल भी बन चुका है, और यही इसे सबसे अस्थिर बनाने के बावजूद सबसे आकर्षक भी बनाता है।

तेज उतार चढ़ाव के बीच ज्वेलरी बाजार और बुलियन ट्रेडर्स की स्थिति का आंकलन करें, तो वे इस अनिश्चितता के बीच भी उम्मीदों से भरे हैं। हालांकि, लगातार बदलते भावों ने ज्वेलरी बाजार को दो हिस्सों में बांट दिया है। 'आभूषण टाइम्स' हमेशा से आपके प्रतिनिधि के रूप मे आपके साथ खड़ा रहा है। अतः हम कह सकते हैं कि एक ओर खुदरा ग्राहकों की असमंजसता हैं कि कब खरीदारी करें, तो दूसरी ओर ज्वेलर्स और बुलियन विक्रेता लगातार बदलते दामों से तालमेल बैठाने में जुटे हैं। त्योहारी सीजन में गोल्ड व सिल्वर की बिक्री में हल्की गिरावट दर्ज हुई, क्योंकि ग्राहक 'रेट करेक्शन' की प्रतीक्षा में रहे। लेकिन फिर भी बाजार में निराशा का जरूरत नहीं है। 'आभूषण टाइम्स' का मानना है कि आने वाले महीनों में रिटेल खरीदारी में सुधार होगा, क्योंकि रेट का स्थिरीकरण ग्राहकों को दोबारा आकर्षित करेगा और 2026 के पहले तिमाही में गोल्ड व सिल्वर की फिजिकल डिमांड फिर रफ्तार पकड़ेगी।

सिद्धराज लोढ़ा

"तेज उतार चढ़ाव के बीच ज्वेलरी बाजार और बुलियन ट्रेडर्स की स्थिति का आंकलन करें, तो वे इस अनिश्चितता के बीच भी उम्मीदों से भरे हैं। हालांकि, लगातार बदलते भावों ने ज्वेलरी बाजार को दो हिस्सों में बांट दिया है। 'आभूषण टाइम्स' हमेशा से आपके प्रतिनिधि के रूप मे आपके साथ खड़ा रहा है। अतः हम कह सकते हैं कि एक ओर खुदरा ग्राहकों की असमंजसता हैं कि कब खरीदारी करें, तो दूसरी ओर ज्वेलर्स और बुलियन विक्रेता लगातार बदलते दामों से तालमेल बैठाने में जुटे हैं।"

सिद्धराज लोढ़ा

YOU NAME IT, WE HAVE IT !

15+ COLLECTIONS

10,000+ DESIGNS

INDIA'S LEADING MANGALSUTRA MANUFACTURER

Let's bring the finest Mangalsutra designs to your store.

Shringar ©

HOUSE OF MANGALSUTRA

FOLLOW US

@SHRINGARMANGALSUTRA

SHRINGAR HOUSE OF MANGALSUTRA LIMITED

Head Office: B1, Jewel World, Cotton Exchange Building, Kalbadevi Road, Mumbai - 400 002. Tel - 022-43111222

Delhi Office: Shop No. 301/302, 3rd Floor, Building No. 1149, Kucha Mahajani, Chandni Chowk, Delhi 110006. Tel - 011 - 46526696 Int. 6696

संपादक
सिद्धराज लोढ़ा

प्रबंध संपादक
राकेश लोढ़ा

सह संपादक
अखिल लोढ़ा
कुणाल लोढ़ा

डिजाइन
रवि गोरुले
कमलाकर तावडे

प्रिन्टर
प्रतिक ऑफसेट, मुंबई

सेल्स एवं ऑफिस प्रबंधक
सुरेश बोर्ले
हरिशंकर लोधी

आभूषण टाइम्स

407, कालबादेवी रोड,
दौलत भवन, दुसरा माला,
ऑफिस नं. 203 मुंबई - 400 002.

Tel.: 022-2201 7091 / 022-2240 0338
E:mail:. aabhusantimes@gmail.com
Visit on us:. www.aabhusantimes.com

आभूषण टाइम्स

मासिक

भारत की नंबर वन ज्वेलरी बिजनेस मैगजीन

वर्षः 18 | अंकः 09 | नवम्बर 2025

04 गोल्ड व सिल्वर के उतार - चढ़ाव में बदलती ज्वेलरी बाजार की नब्ज़!

08 ग्राहकी थमी, बाजार में असमंजस
गोल्ड और सिल्वर ज्वेलरी की बिक्री ठहरी हुई है...

12 गोल्ड में फिर तेजी पक्की
मार्च 2026 में फिर 1 लाख 35 हजार के पार की संभावना

16 दिसंबर 2026 तक 5000 डॉलर तक पहुंच जाएगा सोना

18 धनतेरस पर भारत में सोल्ड आउट हुई चांदी
लंदन मार्केट में मचा हड़कंप

21
- 1-2 नहीं, 23 देश बढ़ा रहे हैं सोने का भंडार
- रत्न-आभूषण निर्यात को ट्रंप टैरिफ से चपत

24 सिल्वर फिर पकड़ेगा तेजी
अक्टूबर 2025 में ऑल टाइम हाई से धड़ाम पर एक नजर

27 सोने के 67 प्रतिशत रिटर्न ने उड़ा दिए होश
राधिका गुप्ता बोलीं, लोग समझ नहीं रहे असली खेल

33 डिजिटल गोल्ड में खतरा ही खतरा, सेबी ने दी चेतावनी, कहा- कुछ गलत हुआ तो हम जिम्मेदार नहीं

40 चीन के इस फैसले का भारत पर असर पड़ना तय

41 अपने विदेशी मुद्रा भंडार में भारी कमी, सोने का भंडार भी घट गया!

43 भारत की तिजोरी पर डबल अटैक सरकार की बढ़ी टेंशन
गणित बदलने का कसूरवार कौन?

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक लोढ़ा सिद्धराज सोहनराजजी द्वारा फ्लॅट नं. 702, 7वां माला, प्राइम रोज, स्वरूप को.हॉ.सोसायटी, अंधेरी (वेस्ट), मुंबई-400058, 407 कालबादेवी रोड, दौलत भवन, दूसरा माला, ऑफिस नं. 203, मुंबई - 400002, से प्रकाशित कर प्रतिक ऑफसेट, 180 सी, गायवाडी, कर्नाक कंपाउंड, गिरगांव, मुंबई 400004 से मुद्रित। सभी विवादों का न्यायक्षेत्र मुंबई रहेगा।

EXQUISITE DESIGNS, EXTRAORDINARY CRAFTSMANSHIP - BRILLIANCE IN EVERY DETAIL

For Any Business Enquiry Call Mr.Laxman +91 9380888030

LAXMI IMPERIAL PVT LTD

A LEADING MANUFACTURER OF CLOSED SETTING DIAMOND JEWELLERY

www.laxmidiamonds.com

ग्राहकी थमी, बाजार में असमंजस

गोल्ड और सिल्वर ज्वेलरी की बिक्री ठहरी हुई है, लेकिन उम्मीद बाकी है

राकेश लोढ़ा

भारत में ही नहीं, दुनिया के विभिन्न देशों में भी गोल्ड व सिल्वर ज्वेलरी में बिक्री लगभग ठहर सी गई है। भारत में विवाह के सीजन की खरीदी और त्यौहारी दिनों में गोल्ड व सिल्वर की खरीदी का चलन है। लेकिन इसके बावजूद ज्वेलर्स का चमकता - धमकता धंधा थम सा गया। ज्वेलर्स बेहद परेशान है। सवाल यह है कि आने वाले कितने दिनों या महीनों में, यह परेशानी दूर होगी, यह कोई नहीं जानता। भारत जैसे देश में जहां गोल्ड और सिल्वर सिर्फ धातु नहीं, बल्कि परंपरा, निवेश और आस्था का प्रतीक हैं, वहां दीपावली और विवाह सीजन में भी ज्वेलरी मार्केट की मंदी किसी को भी चौंका सकती है। आमतौर पर इन दिनों में ज्वेलर्स के शोरूम ग्राहकों से खचाखच भरे रहते हैं, पर इस साल तस्वीर बिल्कुल उलट है।

देश में ज्वेवरी की बड़ी सेल वाले लगभग हर राज्य गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल आदि से लेकर दिल्ली तक गोल्ड और सिल्वर की ज्वेलरी की बिक्री में ठहराव आया है। ज्वेलर्स के अनुसार - दीपावली के बाद इस बार न तो विवाह की ज्वेलरी के खरीदार हैं और न ही निवेशक। लोग देखने आते हैं, नए नए डिजाइंस पसंद भी करते हैं, लेकिन खरीदते नहीं, कुछ दिन बाद खरीदने की बात करते चले जाते हैं। इस बार की दीपावली और पिछले साल की दीपावली के दिनों की ज्वेलरी की सेल की तुलना करें, तो पिछले साल तक दीपावली से पहले बुकिंग और एडवांस ऑर्डर लेने की होड़ लगी थी,

गोल्ड और सिल्वर ज्वेलरी के मामले में, त्योहारों के मौसम में भी बिक्री की रौनक थम गई है और ज्वेलर्स की चिंता बढ़ी हुई है कि ग्राहकी कब फिर से खुलेगी। देश भर में छोटे ज्वेलर्स तो ग्राहकी कम हो जाने से परेशान हैं ही, बुलियन विक्रेता भी सेल कम होने से हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं।

लेकिन इस बार कई प्रतिष्ठित ज्वेलर्स के शो रूम्स में बिक्री में 40 से 60 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। छोटे ज्वेलर्स के लिए यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। ज्वेलरी बाजार में खरीदी के मामले में पहले जोश दिखा और, अब सन्नाटा सा पसरा हुआ है। और सभी की चर्चा का विषय केवल यही है कि गोल्ड व सिल्वर की कीमतों की गिरावट के बावजूद खरीदी क्यों नहीं हो रही? इसके बारे में हम बात करें, तो सिर्फ कुछ ही हफ्ते पहले, जब गोल्ड की कीमत 1 लाख 33 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंची थी, तब देश भर के बाजारों में ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ रही थी। यही हाल सिल्वर का था। सिल्वर में भी 1 लाख 80 हजार रुपये प्रति किलो के भाव पर भी ग्राहक 20,000 रुपये का प्रीमियम देकर खरीदने को तैयार थे। लेकिन अब जब गोल्ड करीब 12,000 रुपये और सिल्वर करीब 35,000 रुपये सस्ता हो चुका है, तो भी खरीदार गायब हो गए हैं। इस उलटफेर के पीछे कई कारण हैं, जिनमें, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, अमेरिकी फेडरल ब्याज रेट्स, मध्यपूर्व तनाव और डॉलर की मजबूती ने निवेशकों को भ्रमित कर दिया है। भारतीय निवेशक का मनोविज्ञान कहता है कि आमतौर पर जब कीमतें गिरती हैं, तो लोग सोचते हैं कि मार्केट और नीचे आएगा, तब खरीदेंगे। यह वेट एंड वॉच मानसिकता है, जो हर दिमाग में चलती रहती है, तथा इसी ने ज्वेलरी की मांग को रोक दिया है। रियल एस्टेट और स्टॉक मार्केट में आकर्षण बढ़ाना भी एक कारण माना जा रहा है। कई निवेशक अब ज्वेलरी के बजाय शेयर, म्यूचुअल फंड और रियल एस्टेट में पैसा डाल रहे हैं। फिर, कैश फ्लो की कमी भी एक बड़ा कारण बना है। छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों में नकदी की तंगी ने उपभोक्ता खर्च को सीमित कर दिया है।

ज्वेलरी की सेल कम होने के मामले में देश के छोटे कस्बों से लेकर महानगरों तक एक जैसा संकट देखा जा रहा है। चाहे महाराष्ट्र का मुंबई शहर हो या पुणे व नागपुर, गुजरात का अहमदाबाद हो या सूरत व

राजकोट, केरल में त्रिवेंद्रम हो या कन्याकुमारी, कर्नाटक में बैंगलोर हो या मैंगलोर, राजस्थान का जयपुर हो या जोधपुर और बीकानेर, इसी तरह से उत्तर भारत में दिल्ली, चंडीगढ़, लुधियाना और कानपुर हों, देश में हर जगह ज्वेलरी दुकानदार एक ही शिकायत कर रहे हैं कि ग्राहक ज्वेलरी देखने आते हैं, पर खरीदते नहीं। महानगरों में भी हाल बेहतर नहीं हैं। दिल्ली के करोल बाग और चांदनी चौक, चेन्नई के टी. नगर, हैदराबाद के एबिड्स बाजार, और अहमदाबाद के सीजी रोड़ में बड़े बड़े ज्वेलरी शो रूम्स हैं, लेकिन वहां भी बिक्री में ठहराव दिख रहा है। यही नहीं, दुनिया भर में भी यही रुझान देखने को मिल रहा है। दुबई, हांगकांग, सिंगापुर, और लंदन जैसे ज्वेलरी हब में भी खरीदारी का जोश कम हुआ है। इसकी वजह वैश्विक महंगाई, अमेरिकी डॉलर की मजबूती और उपभोक्ताओं के बदले प्राथमिकताएं हैं। अब युवा पीढ़ी ज्वेलरी को इन्वेस्टमेंट' नहीं बल्कि लक्ज़री आइटम के रूप में देखने लगी है, और उनका रुझान इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, ट्रैवल और डिजिटल प्रोडक्ट्स की ओर अधिक बढ़ रहा है। इस कराण भी ज्वेलरी की ग्राहकी थम सी गई है।

मुंबई के ज्वेलरी बाजारों की हालत देखें, तो शोरूम बड़े - बड़े हैं, पर ग्राहक गायब हैं। देश की वित्तीय राजधानी मुंबई हमेशा से ज्वेलरी व्यापार का केंद्र रही है। जवेरी बाजार, ऑपेरा हाउस, दादर, बांद्रा, सांताक्रुज, जुहू, अंधेरी, बोरीवली, घाटकोपर, और मुलुंड जैसे ज्वेलरी की हाई सेल वाले इन इलाकों में देश के सबसे प्रतिष्ठित ज्वेलर्स के शोरूम हैं। लेकिन इस दीपावली के बाद से इस बार यहां का माहौल भी सुस्त पड़ा हुआ है। गोल्ड व सिल्वर के रेट हाई थे, तब ग्राहकों की भीड़ लगी पड़ी थी, लेकिन इन दिनों ज्वेलर हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं। जवेरी बाजार के एक प्रसिद्ध ज्वेलर बताते हैं, पहले दीपावली के बाद भी दुकानों पर भीड़ लग जाती थी। अब लोग सिर्फ डिजाइन देखने आते हैं। खरीदने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे। हाल ही में मुंबई में संपन्न झवेरी बाजार गोल्ड फेस्टीवल भी पूरी तरह से असफल रहने की खबर है। छोटे ज्वेलर्स की स्थिति तो और भी कठिन है किराया, स्टाफ सैलरी, और स्टॉक का दबाव बढ़ता जा रहा है। बुलियन डीलर्स, जो गोल्ड - सिल्वर के कच्चे माल में ट्रेड करते हैं, उनके पास भी ग्राहकी लगभग कम हो गई हैं। ज्वेलरी मार्केट के सेल के आंकडों के अनुसार, अक्टूबर से नवंबर तक गोल्ड के सौदों में लगभग 55 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। गुजरात, तमिलनाडु, और उत्तर भारत के बाजारों में भी यही हाल है। कई ज्वेलर्स अब पुराने स्टॉक को बेचने या एक्सचेंज ऑफ़र के ज़रिए ग्राहकों को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं, पर असर सीमित है। दुनिया भर में केवल पंद्रह दिनों में ही ज्वेलरी की मांग क्यों घटी, इस सवाल का जवाब तलाशें, तो इसके रेट में गिरावट ही सबसे बड़ा कारण है। गोल्ड व सिल्वर के रेट घटते ही ज्वेलरी के मामले में भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में इसकी मांग कमजोर पड़ी है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की ताज़ा रिपोर्ट बताती है कि 2024 की चौथी तिमाही में ग्लोबल गोल्ड ज्वेलरी डिमांड में 14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके पीछे कुछ प्रमुख कारण हैं कि गोल्ड के अपने टॉप लेवल से फिसलने के बाद निवेशक बैंक और बॉन्ड में पैसा लगा रहे हैं, क्योंकि गोल्ड से मिलने वाला रिटर्न 'भले ही ज्यादा हो सकता है, लेकिन लोग इअभी रेट के और गिरने का इंतजार कर रेह हैं। डिजिटल गोल्ड और ईटीएक तीकी तरफ रुझान बढ़ रहा है। फिजिकल ज्वेलरी की बजाय अब लोग डिजिटल माध्यमों में निवेश करना पसंद कर रहे हैं। युवाओं की प्राथमिकताएं बदल रही हैं। नई पीढ़ी अब ज्वेलरी पर खर्च करने से ज्यादा अनुभवों ट्रैवल, लाइफस्टाइल, फैशन जैसी चीजों पर ध्यान दे रही है। चीन और अमेरिका की आर्थिक सुस्ती का असर भी साफ है। इन दोनों देशों का गोल्ड और सिल्वर बाजार विश्व की मांग का बड़ा हिस्सा हैं, जो हाल ही में ठंडा पड़ा है। अब सवाल यह है कि भारत में ज्वेलरी की साल का का सुनहरा दौर कब लौटेगा। बाजार के जानकारों का मानना है कि यह ठहराव अस्थायी है। ज्वेलरी भारतीय संस्कृति का हिस्सा है, इसे लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता कहते हैं। मुंबई के बुलियन विक्रेता के अनुसार, जनवरी 2026 से फिर से खरीदी का दौर शुरू हो सकता है, क्योंकि शादी का बड़ा सीजन फरवरी मार्च में है, जिससे मांग बढ़ेगी। ज्वेलरी निर्माता कहते हैं कि कीमतें स्थिर होने पर निवेशकों का भरोसा लौटेगा। वे कहते हैं कि बाजार में तेजी के वक्त भले ही ग्राहकी बढ़ती है, लेकिन रेट नीचे आने पर लोग और नीचे का इंतजार करते हैं। ऐसे में रेट में स्थिरता ही ग्राहकी के बढ़ने का एक मात्र सहारा है। कुछ गोल्ड ट्रेडर्स का मानना है कि सरकार की नीतियां और आयात शुल्क में संभावित कमी बाजार को सहारा दे सकती है। इसके अलावा, डिजिटल और ईकॉमर्स ज्वेलरी प्लेटफॉर्म भी नई पीढ़ी को ज्वेलरी के साल बढ़ाने के मामले पर आकर्षित करने में मदद कर रहे हैं।

स्नेह जैन
रॉयल चेन्स

ये बिल्कुल सही बात है कि दीपावली के दिनों से ही भारत भर में ही नहीं, बल्कि दुनिया के विभिन्न देशों के ज्वेलरी शो रूम्स में गोल्ड व सिल्वर की ज्वेलरी में बिक्री एक झटके में लगभग ठहर सी गई है। इस हालात में, ज्वेलर्स को एक बार फिर से विवाह के सीजन की ग्राहकी शुरू होने का इंतजार करना स्वाभाविक है।

ज्वेलरी की सेल में, देश में माहौल थोड़ा असमंजस भरा है। हर ज्वेलर की चिंता यही है कि हर हाल में फिर से ग्राहकी खुले। भारत भर के बाजारों सहित दुनिया भर में ज्वेलरी हब कहे जाने वाले देशों में गोल्ड व सिल्वर ज्वेलरी मार्केट में बिक्री फिर से कब शुरू होगी, इसी सोच में ज्वेलर्स चिंतित हैं।

अंकित बागरेचा
जी बेंगल्स

यह कोई नई बात नहीं है कि रेट के घटने पर ज्वेलरी की खरीदी थम गई है। विवाह की खरीदी का सीजन और दीपावली के दिनों में भी गोल्ड व सिल्वर की खरीदी का चलन है। लेकिन दीपावली ठंडी गई और विवाह का सीजन होने के बावजूद ज्वेलर्स का चमकता - धमकता धंधा थम सा गया। चिंता यह है कि ज्वेलर्स की यह परेशानी कैसे दूर होगी?

ध्रुव साकरिया
साकरिया ज्वेलर्स

हम देख रहे हैं कि मार्केट में जब 1 लाख 33 हजार था, तो लोग खरीद रहे थे। सिल्वर भी जब 1 लाख 80 हजार पर पहुंचा, तो लोग प्रीमियम देने को तैयार थे। लेकिन गोल्ड में 12 हजार और सिल्वर में 30-35 हजार की गिरावट के बावजूद लोग खरीदी नहीं कर रहे हैं, इसका कारण है कि लोग रेट और गिरने का राह देख रहे हैं।

निखिल जैन
समृद्धि ज्वेल क्राफ्ट

देश भर में कुछ दिन पहले तक गोल्ड व सिल्वर की बिक्री बहुत तेजी पर थी, जो कि थम सी गई है। भारतीय जनमानस रेट के दबाव में जीता है। वह तेजी में उसके पीछे भागता है, या फिर स्थिरता में उसके साथ चलता है व रेट के गिरने पर वह बाहर हो जाता है। मगर, रेट में ठहराव आते ही फिर से ग्राहकी खुल सकती है।

SILVERIO

Silverio Artesa Pvt. Ltd.

The Finest Quality in 92.5 Silver Jewellery

Shop. 220/224,2, 2nd floor, Harbilas Building, Kalbadevi Road, Opp. Abhinandan Market, Near G9 Clothing, Mumbai-400002
Office: 022- 49701485, 9867271456 +91-910780-0700

Raju Kothari | Akrant Kothari - 98192 07704 | Ketan Kothari - 79001 23190
R. Kothari & Co. Jewellers
81, Chandra Darshan Building, Office No. 10, 3rd Floor, Dhanji Street, Zaveri Bazar, Mumbai-400 003
022 61834463 / 61834783 +91 7738274115 | I.com : 4463 / 4783
e-Mail : rkotharijewels@gmail.com | Website : www.rkotharijewels.com

गोल्ड में फिर तेजी पक्की

मार्च 2026 में फिर 1 लाख 35 हजार के पार की संभावना

गोल्ड पर पूरी दुनिया की निगाह है, तथा दुनिया में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं होगा, जिसने इन दिनों गोल्ड की बात नहीं की होगी। इसका सबसे अहम कारण केवल यही है कि अक्टूबर 2025 में गोल्ड ने तीन ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की। गोल्ड ने अपने रेट्स का सबसे ऊंचा स्तर अर्जित किया, गोल्ड बुलियन और ज्वेलरी दोनों की दुनिया भर में बंपर बिक्री रही और इसी महीने गोल्ड में सबसे बड़ी, जिसे ऐतिहासिक कहा जा सकता है वह बड़ी गिरावट भी देखी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड का कारोबार वर्तमान में अस्थिरता के दौर में देखा जा रहा है, लेकिन कुल मिलाकर गोल्ड के रुझान मजबूती की ओर इशारा करते हैं। भविष्य में गोल्ड की कीमतों में वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है, मुख्य रूप से वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और केंद्रीय बैंकों की मजबूत मांग के कारण। मगर, इंटरनेशनल हालात, गोल्ड मार्केट के जानकार, विभिन्न रिसर्च तथा हर तरह की संभावनाओं का साफ इशारा है कि आने वाले दिनों में गोल्ड एक बार फिर से रफ्तार पकड़ कर मार्च 2026 तक 4400 यूएस डॉलर प्रति औंस की राह पकड़ेगा। ऐसे में, भारतीय बाजार में गोल्ड फिर से 1 लाख 35 हजार के आसपास पहुंचता दिखता है।

हाल ही में आई तेजी और उसके बाद गिरावट की बात करें, तो अमेरिका, यूरोप और पश्चिम एशिया में बढ़ रहे जियोपॉलिटिकल तनाव, चीन-अमेरिका व्यापार टेंशन, और क्रूड ऑयल में जोरदार उतार-चढ़ाव के कारण, दुनिया भर के देशों की सरकारों सहित हर देश में निवेशक निवेश के सुरक्षित साधन की तलाश में गोल्ड की तरफ झुके। इससे अक्टूबर के पहले सप्ताह में ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में गोल्ड ने 4381.58 यूएस डॉलर प्रति औंस का ऑल-टाइम हाई बनाया। वहीं, अचानक डॉलर की मजबूती, ग्लोबल मार्केट में लिक्विडिटी क्रंच

गोल्ड के हाई लेवल्स एक के बाद एक लगातार बदलते रहे। कई बार गोल्ड ने नया हाई वेलर बनाया। यह पहली बार हुआ है कि केवल 3 महीनों में ही गोल्ड ने लगभग हर दूसरे हफ्ते नया हाई लेवल बनाया।

और शॉर्ट-टर्म प्रॉफिट बुकिंग के चलते महीने के अंत में 8 प्रतिशत तक गिरावट आई। गोल्ड मार्केट के वैश्विक एक्सपर्ट्स के अनुसार, गोल्ड में यह गिरावट विशेष रूप से बबल-करेक्शन कही जा रही है। इसके साथ ही थोड़ा बहुत असर इकॉनॉमिक पॉलिसी का भी रहा, और अचानक बढ़ी वैश्विक खरीदी का भी असर हुआ। इसी कारण सन 2020 के बाद गोल्ड में इतना उतार - चढ़ाव पहली बार दिखा है। लेकिन बाजार के जानकार कहते हैं कि गोल्ड आने वाले दिनों में फिर से तेजी पकड़ेगा, क्योंकि इसके नीचे जाने के आसार बेहद कम ही हैं। अधिकांश विश्लेषकों का अनुमान है कि गोल्ड की कीमतें आने वाले वर्षों में, सन 2030 तक, लगातार बढ़ती रहेंगी। 2025 के अंत तक गोल्ड कीमतें 4000 यूएस डॉलर प्रति औंस और 2026 तक 4500 से 5000 यूएस डॉलर प्रति औंस तक पहुंचने के अनुमान है। अक्टूबर महीने के अंत तक गोल्ड की कीमतें अपने शिखर से भले ही 12700 रुपए तक नीचे गिर गई है, क्योंकि अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता पर आशावाद और फेडरल रिजर्व के रेट निर्णय की प्रत्याशा बुलियन की कीमतों पर दबाव डाल रही है। लेकिन लंबी अवधि में इन हालातों के बदलने के साथ ही गोल्ड के फिर बड़ी छलांग लगाने के आसार भी साफ हैं।

जून के अंत से अक्टूबर के अंत तक देखें, तो गोल्ड में 9 प्रमुख हाई रिकॉर्ड हुए, जिनमें हर बार नया ऑल-टाइम हाई तय किया गया। इस दौरान लगातार तेजी के बाद अचानक गिरावट देखने को मिली, जिससे बाजार में बेचैनी साफ दिखी। ऐसा पहली बार हुआ जब चौथी तिमाही में गोल्ड अंतरराष्ट्रीय लेवल पर 60 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न दे गया। एक साल में ऐसी तेजी पिछले 30 साल में कभी नहीं नहीं रही। बावजूद इसके, बाजार दोबारा तेजी पकड़ता दिखा क्योंकि हर गिरावट के बाद निवेशकों ने नए सिरे से एंट्री की। गोल्ड को सदा से ही एक बेहद प्रभावी संपत्ति तथा मुद्रा संस्करण के हथियार के के रूप में देखा जाता है। आर्थिक अनिश्चितता के समय में अक्सर इसे ही हर देश द्वारा चुना जाता है और यही कारण है कि गोल्ड किसी भी अन्य परिसंपत्ति के मुकाबले ज्यादा ज़रूरी है। गोल्ड का इस्तेमाल वैश्विक अनिश्चितता

के समय में बचाव के तौर पर किया जाता है क्योंकि युद्ध जैसे संकट के समय यह ज़्यादा स्थिर मूल्य प्रदान करता है। अंतर्राष्ट्रीय तनाव वित्तीय बाज़ारों पर दबाव भी बढ़ाते हैं, लेकिन गोल्ड की डिमांड और रेट्स अर्थव्यवस्था को बचाने में मदद करते हैं। डॉलर गोल्ड से बहुत गहरा जुड़ा हुआ है क्योंकि इसका मुख्य रूप से डॉलर के बदले में ही आदान-प्रदान होता है। लेकिन जब डॉलर का मूल्य गिरता है, तो गोल्ड की कीमतें अक्सर बढ़ जाती है। एक और महत्वपूर्ण बात यह भी है कि गोल्ड की आपूर्ति अनिश्चित है, तथा इसका अधिकांशतः रिसाइकलिंग भी किया जाता है, इसलिए जब वैश्विक मांग बढ़ती है, तो आपूर्ति को पूरा करना कठिन हो जाता है, इसलिए मांग के कारण गोल्ड कीमत में भारी वृद्धि हो जाती है।

गोल्ड में जबरदस्त तेजी के वक्त ग्राहकी में उत्साह था। भारतीय बाजारों में गोल्ड जब 1 लाख 32 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के भी पार पहुंच गया तो भी ज्वेलर्स के यहां लंबी-लंबी कतारें और स्टॉक आउट की स्थिति बन गई थी। लेकिन जैसे ही धनतेरस व दीपावली और भाई दूज तथा लाभ पंचमी जैसे त्योहारों के आसपास रेट गिरा, तो कई ज्वेलरी दुकानों पर ग्राहकी अचानक थम गई। भारतीय बाजार में ग्राहकी इसी साल पहली बार इस लेवल तक बढ़ी, लेकिन ऊंचे रेट पर लोग निवेश के मकसद से ज्यादा खरीदते दिखे, वहीं सामान्य ज्वेलरी ग्राहकी कम हुई। बाजार एक्सपर्ट्स मानते हैं कि रेट स्थिर हुए, तो ही बार - बार आने वाली नई खरीद खुल सकती है। लगातार उतार - चढ़ाव से आम ग्राहक डरता है और प्रतीक्षा करने की रणनीति अपनाता है।

इस साल निवेश के मकसद से गोल्ड में जबरदस्त बिकवाली हुई। आंकड़ों के मुताबिक, सन 2025 में भारतीयों ने लगभग 700 टन गोल्ड खरीदा, जिसमें 62 फीसदी हिस्सा निवेश व गोल्ड बॉन्ड्स आदि में गया, जबकि ज्वेलरी की हिस्सेदारी करीब 38 फीसदी रही। वैश्विक खपत में भी 2025 में निवेश हिस्सा 55 फीसदी के ऊपर बना, जो कि पहले यह 43 से 45 फीसदी के बीच था। ज्वेलरी सेल्स खासकर शहरी क्षेत्रों में पिछली दिवाली तुलना में लगभग 22 फीसदी घट गई। इसकी मुख्य वजह ऊंचे रेट और उतार - चढ़ाव बाजार माना गया। ऊंचे रेट पर भी गोल्ड की खरीदारी अक्सर ज्यादा होती दिखी है, जबकि गिरावट पर कम। इसका सीधा गणित है कि मार्केट में लोगों को लगता है कि रेट और ऊपर जाएगा, तो वे डर के मारे खरीददारी कर लेते हैं। जैसे ही गिरावट आई, तो खरीदारी रुक जाती है, क्योंकि आम खरीदार यह मानता है कि रेट और गिरेंगे, इसलिए वेट करना ज्यादा बेहतर है। इस साल इसी फैक्टर और सुरक्षित निवेश के सेंटिमेंट ने गोल्ड को नई ऊंचाई तक पहुंचाया। मगर, खरीदारी पिछले कुछ सालों से विपरीत ट्रेंड फॉलो कर रही है। अब गिरते रेट्स में खरीदी की जगह बढ़ते रेट्स में खरीदी की मानसिकता दिख रही है।

वैश्विक संभावनाओं का इशारा स्पष्ट है कि गोल्ड एक बार फिर रफ्तार पकड़ेगा। मार्च 2026 तक भारतीय बाजार में गोल्ड फिर से 1 लाख 35 हजार के आसपास पहुंच सकता है।

नोविल राणावत
स्वर्ण शिल्प चेन्स

गोल्ड के रेट्स में इतनी तेजी कभी देखनो को नहीं मिली और अचानक गिरावट भी एक साथ देखी गई। हालांक, वैश्विक वित्तीय स्थिति सामान्य होने से गोल्ड में करेक्शन है, लेकिन लंबी अवधि में, गोल्ड मुद्रास्फीति के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कवच की तरह बना रहेगा।

अमेरिका लगातार गोल्ड रिज़र्व मजबूत कर रहा है और अपने डॉलर डिफेंस के लिए गोल्ड को रणनीतिक सपोर्ट मानता है। इस बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नजरिया गोल्ड पर हमेशा आक्रामक रहा है; वह गोल्ड को अमेरिका फर्स्ट रणनीति में शामिल करते रहे हैं, ताकि वित्तीय अस्थिरता के समय डॉलर वैल्यू को बैकअप मिले। अमेरिकी घरेलू पॉलिसी फिलहाल गोल्ड के खरीद समर्थन में दिखती है, साथ ही भारत-चीन जैसे उभरते देशों के मुकाबले अपनी रिजर्व पोजीशन बढ़ाने पर फोकस किया गया है। इसका असर है कि अमेरिका की पॉलिसी से अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार - चढ़ाव और बढ़ जाती है। गोल्ड हाल ही में रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था, तो अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की धीमी गति जैसे कारण से कीमतों में कुछ अस्थिरता भी देखी गई है, जिससे अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में थोड़ी गिरावट आई।

दुनिया भर के देशों के केंद्रीय बैंक अपने गोल्ड भंडार में विविधता और मजबूती लाने के लिए लगातार गोल्ड की बड़ी मात्रा में खरीदारी कर रहे हैं, जो बाजार में गोल्ड की कीमतों को मजबूत समर्थन प्रदान कर रहा है। 2025 में चीन, भारत, रूस, तुर्की, और स्विट्जरलैंड प्रमुख गोल्ड बायर्स रहे। चीन ने इस साल जनवरी से सितंबर तक लगभग 270 टन, भारत ने 210 टन, रूस ने 140 टन और तुर्की ने 110 टन से ज्यादा गोल्ड खरीदा। इन देशों की यह रणनीति डॉलर और अन्य मुद्रा अस्थिरता के मुकाबले गोल्ड रिजर्व को मजबूत करना था। अक्टूबर की रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब भी चीन और भारत सिलसिलेवार खरीदी जारी रखेंगे, वहीं रूस और मध्य एशिया देश भी अनिश्चितताओं के चलते गोल्ड खरीद में आगे रहेंगे। ऐसे में ग्लोबल खरीदी गोल्ड के रेट को ऊंचा बनाए रख सकती है। गोल्ड के एक्सपर्ट्स मान रहे हैं कि अगले तीन महीने में गोल्ड में दोबारा उतार-चढ़ाव के बाद 3 से 5 फीसदी की तेजी आ सकती है, यानी 4045 से 4360 यूएस डॉलर प्रति औंस तक रेट रहने के आसार ज्यादातर बताए जा रहे हैं। अगर ग्लोबल लेवल पर डॉलर में मजबूती या किसी नई पॉलिसी का असर दिखा तो रेट 3940 से 3970 यूएस डॉलर प्रति औंस तक गिर सकते हैं। कुल मिलाकर, दिसंबर से जनवरी के फेस्टिव सीजन और फिर अगले चाइनीज न्यू ईयर तक गोल्ड में पॉजिटिव ट्रेंड संभावना की ज्यादा है। यह विश्लेषण अक्टूबर 2025 तक के डेटा, बाजार की रिपोर्ट्स, और बाजार ते विशेषज्ञों की राय पर आधारित है, तथा आगे के ट्रेंड की सटीक भविष्यवाणी आर्थिक, राजनीतिक हालातों के अलावा लोकल उतार - चढ़ाव पर भी निर्भर करेगी। लेकिन गोल्ड के बारे में सभी की राय यही है कि मार्च 2026 तक यह फिर से 4400 यूएस लर प्रति औंस का लेवल पकड़ेगा, जिससे भारतीय बाजार में गोल्ड 1 लाख 35 हजार के आसपास पहुंच सकता है।

प्रणव राणावत
ब्रह्मांड ज्वेल्स

गोल्ड के रेट जैसे जैसे ऊपर जा रहे थे, तो बाजार में ग्राहकी बढ़ रही थी, ज्वेलर्स के चेहरों पर रौनक आ रही थी। लेकिन जैसे ही रेट 10 हजार तक गिरे, तो ग्राहकी भी ठप हो गई। बाजार परेशान है कि रेट स्थिर रहें, तो ग्राहकी फिर से खुले।

राज पुनमिया
दिनतारा ज्वेल्स

हमारा परिवार 3 पीढ़ी से गोल्ड के बिजनेस में है, लेकिन गोल्ड का हर दिन नया हाई लेवल बनाना और इसके बावजूद सेल के बढ़ते रहने हालात कभी नहीं देखे। लेकिन गोल्ड के रेट जैसे जैसे कम होते दिखे, तो बाजार में उसी क्रम में ग्राहक भी कम होते गए।

तनिष वड़ाला
वी चेन्स

वैश्विक वित्तीय बाजार में गोल्ड सदा से एक महत्वपूर्ण संपत्ति है और आगे भी बना रहेगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड का व्यवसाय वर्तमान में मजबूत निवेश मांग और ऊंची कीमतों के साथ गतिशील स्थिति में है, और भविष्य में भी इसके रेट्स में वृद्धि की संभावना है।

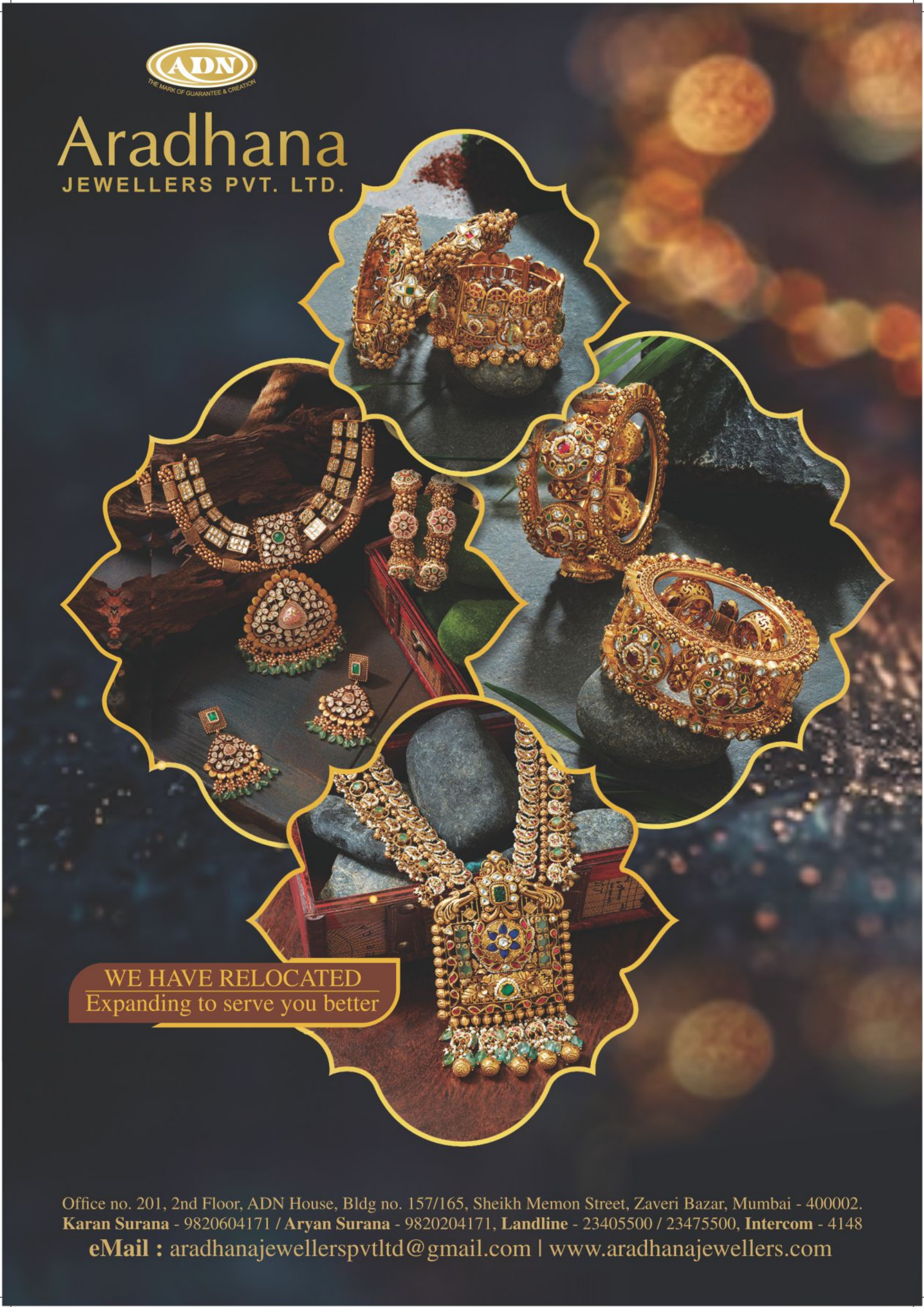
ADN
THE MARK OF GUARANTEE & CREATION
Aradhana
JEWELLERS PVT. LTD.
WE HAVE RELOCATED
Expanding to serve you better
Office no. 201, 2nd Floor, ADN House, Bldg no. 157/165, Sheikh Memon Street, Zaveri Bazar, Mumbai - 400002.
Karan Surana - 9820604171 / Aryan Surana - 9820204171, Landline - 23405500 / 23475500, Intercom - 4148
eMail : aradhanajewellerspvtltd@gmail.com | www.aradhanajewellers.com

TARAVA

MOMENTS IN SILVER

by

SILVER EMPORIUM

SPECIAL LAUNCH OFFER - **14% OFF***
ON SILVER JEWELLERY

Silver Emporium launches Tarava –
A 'Make in India' Silver Brand at
Sky city Mall, Borivali.

Over 34 Years

of Legacy in Silver – India's trusted
Silver Artisan for generations

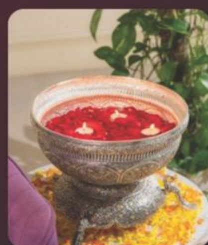

TARAVA - Where Heritage Meets Modern Silver

Jewellery | Idols | Home Decor | Household | Gifts

Silver Emporium Pvt Ltd

232/234, Chamber Bhavan,
1st Floor, Kalbadevi Road,
Mumbai - 400 002.

Silver Emporium Retail Pvt Ltd

Tarava by Silver Emporium, F 3C,
1st Floor, Oberoi Sky City Mall,
Borivali East, Mumbai - 400066.

Silver Emporium Trendz LLP

Shop No 6, 21 Square Bldg, LT Rd, opp. St Annes High
School, Borivali (W), Mumbai, Maharashtra 400092.

STORE DETAILS

Level 1, Skycity Mall, Borivali (E), Mumbai

+91 91001 00925 | shop@tarava.in | tarava.in

SILVER EMPORIUM

Lets Connect

Mumbai - Jaipur - Hyderabad - Chennai - Bengaluru

दिसंबर 2026 तक 5000 डॉलर तक पहुंच जाएगा सोना

सोने की कीमतें अक्टूबर में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई थीं। उसके बाद कीमतें गिर गईं। गोल्ड में अब भी कमजोरी बनी हुई है। नवंबर के शुरूआत में अंतरराष्ट्रीय बाजार में गोल्ड पर दबाव देखने को मिला। निवेशकों के मन में गोल्ड को लेकर कई सवाल चल रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या गोल्ड में तेजी का दौर खत्म हो चुका है? इस सवाल का जवाब जानने के लिए यह समझना जरूरी है कि गोल्ड में किन वजहों से तेजी आई थी। वैश्विक व्यापार और फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन में डॉलर का इस्तेमाल घट रहा है। इसका असर डॉलर की डिमांड पर पड़ा है। जेपी मॉर्गन की रिपोर्ट के मुताबिक, ग्लोबल एक्सपोर्ट्स में भी अमेरिका की हिस्सेदारी घटी है। केंद्रीय बैंकों के विदेशी मुद्रा भंडार में डॉलर की हिस्सेदारी घटकर दो दशकों के सबसे निचले स्तर पर आ गई है। कमोडिटीज के वैश्विक व्यापार में डॉलर के इस्तेमाल में सबसे ज्यादा कमी आई है।

मॉर्गन स्टेनली के मुताबिक, सोने में आई तेजी का संबंध डिजिटल करेंसी के बढ़ते इस्तेमाल से भी हो सकता है। केंद्रीय बैंक डॉलर पर निर्भरता घटा रहे हैं। उन्हें स्टेबलकॉइन और दूसरे डिजिटल करेंसी के बढ़ते इस्तेमाल की वजह से ग्लोबल करेंसी मार्केट में बड़े बदलाव की उम्मीद दिख रही है। डिजिटल करेंसी डॉलर की बादशाहत को बड़ा नुकसान पहुंचा सकती है। अगर ऐसा होता है तो गोल्ड में तेजी जारी रह सकती है।

इनवेस्टर्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वजह से बन रहे बुलबुले को लेकर चिंतित हैं। स्टॉक मार्केट्स में आई तेजी में कुछ मुट्ठीभर टेक्नोलॉजी कंपनियो का हाथ है। इससे 1999-2000 में डॉट कॉम बबल की याद ताजी हो जाती है। इससे इनवेस्टर्स सुरक्षा के लिए गोल्ड ईटीएफ में इनवेस्ट कर रहे हैं। इससे गोल्ड की डिमांड को सपोर्ट मिल रहा है। केंद्रीय बैंकों ने भी गोल्ड में निवेश बढ़ाया है। अमेरिका में अनिश्चितता बढ़ी है। अमेरिका सरकार का कर्ज और घाटा लगातार बढ़ रहा है। टैरिफ की वजह से वैश्वीकरण को नुकसान पहुंचा है। फेडरल रिजर्व की स्वतंत्रता पर खतरे के बादल दिखे हैं। इन वजहों से डॉलर में इनवेस्टर्स का भरोसा घटा है। राजनीतिक दबाव में फेड के इंटरेस्ट रेट घटाने से इनफ्लेशन बढ़ सकता है। इससे डॉलर पर दबाव बढ़ेगा। कई एनालिस्ट्स यह नहीं मानते कि गोल्ड की कीमतें ऐसे लेवल पर पहुंच गई हैं, जिसके ऊपर जाना मुश्किल है। उनका मानना है कि सोने में अभी भी तेजी की गुंजाइश बची हुई है। गोल्डमैन सैक्स ने दिसबंर 2026 तक गोल्ड के 4,900 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच जाने का अनुमान जताया है। ANZ का मानना है कि अगले साल के मध्य तक सोना 4,600 डॉलर प्रति औंस पर होगा। डीएसपी मेरिल लिंच का भी मानना है कि गोल्ड में तेजी खत्म नहीं हुई है।

गोल्ड में गिरावट उन लोगों के लिए अच्छी खबर है, जो इसमें निवेश का मौका चूक गए थे। डीएसपी म्यूचुअल फंड का कहना है कि अगर इनवेस्टर्स गोल्ड में मुनाफा बुक करना चाहते हैं तो वे 3,860-4,200 डॉलर प्रति औंस की रेंज में इसे बेच सकते हैं। ऐसे निवेशक जिनके पोर्टफोलियो में गोल्ड की हिस्सेदारी ज्यादा है, वे प्रॉफिट बुकिंग कर सकते हैं। इसका मतलब है कि गोल्ड को खरीदने या बेचने का फैसला आपके एसेट ऐलोकेशन पर निर्भर करेगा।

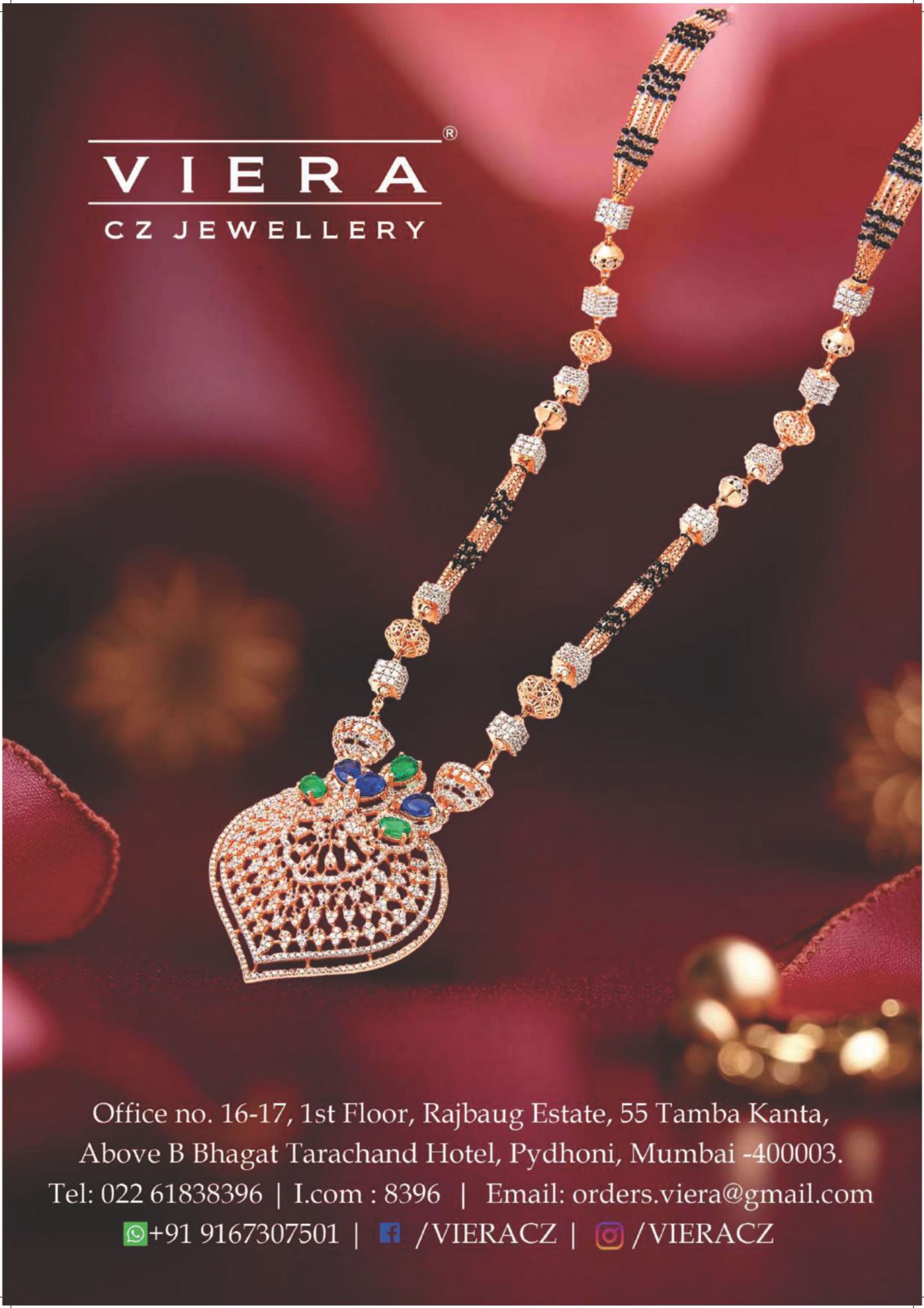
VIERA®
CZ JEWELLERY
Office no. 16-17, 1st Floor, Rajbaug Estate, 55 Tamba Kanta,
Above B Bhagat Tarachand Hotel, Pydhoni, Mumbai -400003.
Tel: 022 61838396 | I.com : 8396 | Email: orders.viera@gmail.com
+91 9167307501 | /VIERACZ | /VIERACZ

रत्न और आभूषण निर्यात में गिरावट

अमेरिका द्वारा कई भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत भारी भरकम शुल्क लगाए जाने के बीच घरेलू रत्न व आभूषण निर्यात अक्टूबर में सालाना आधार पर 30.6 प्रतिशत गिरकर 21.7 लाख डॉलर दर्ज हुआ।

रत्न व आभूषण निर्यात परिषद (जीजेईपीसी) के चेयरमैन किरीट भंसाली ने बाहरी चुनौतियों के बावजूद भविष्य के प्रति सकारात्मक नजरिया पेश किया। उन्होंने वित्त वर्ष 26 में रत्न व आभूषण का निर्यात 30 से 35 अरब डॉलर होने की उम्मीद जताई जबकि यह बीते वर्ष 29.8 अरब डॉलर था।

भंसाली ने बताया, हमने शुल्क मुद्दों के बावजूद प्राकृतिक हीरों के लिए अपना लक्ष्य बनाए रखा है; मांग अच्छी है। प्रयोगशाला में तैयार किए गए हीरों का खंड अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। इसलिए नौकरी पर कोई सीधा असर नहीं पड़ रहा है। वाणिज्य मंत्रालय और प्रधानमंत्री से भी मिली जानकारी के अनुसार यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ मुक्त व्यापार समझौता पाइपलाइन में है और यह जल्द होंगे। मजबूत बातचीत जारी है और भारत अपनी शर्तों पर समझौते चाहेगा। उन्होंने आशा जताई कि समझौते इस महीने हो सकते हैं। रत्न और आभूषण भारत से निर्यात की जाने वाली शीर्ष पांच वस्तुओं में से एक है, जिसकी देश के कुल निर्यात में लगभग 7 प्रतिशत हिस्सेदारी है। भारत हीरे, सोना, चांदी, प्लेटिनम के साथ-साथ नकली आभूषणों का भी निर्यात करता है।

हालांकि पिछले कुछ वर्षों में रत्न व आभूषण का निर्यात 10 प्रतिशत से अधिक से गिर गया है। इसका मुख्य कारण भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं हैं और नवीनतम कारण अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियां हैं। परिषद के आंकड़ों के अनुसार कुल निर्यात (अप्रैल- अक्टूबर) 16.26 अरब डॉलर रहा, जो सालाना आधार परर 2.7 प्रतिशत कम है।

MWPL सीज़न 2 की तैयारियाँ ज़ोरों पर खिलाड़ियों में दिखा जबरदस्त उत्साह

मुंबई। मुंबई व्होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित MWPL सीज़न 2 की तैयारियाँ इन दिनों पूरे जोर-शोर से चल रही हैं। टूर्नामेंट को लेकर खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। इस सीज़न को DVM Aqua Gold Pvt. Ltd. द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है, जबकि टूर्नामेंट Powered by Grafixwale है। इस वर्ष के Auction Partner के रूप में Nice Gold Pvt. Ltd. जुड़ चुका है, जिससे आयोजन की भव्यता और विश्वसनीयता में और वृद्धि हुई है। आयोजकों के अनुसार, MWPL सीज़न 2 को पिछले वर्ष की तुलना में और बड़े पैमाने पर आयोजित करने की तैयारी की जा रही है।

खिलाड़ियों की स्क्रीनिंग, टीम निर्माण प्रक्रिया और इवेंट मैनेजमेंट से जुड़ी सभी व्यवस्थाएँ अंतिम चरण में हैं। एसोसिएशन का मानना है कि इस बार का सीज़न न केवल खिलाड़ियों की प्रतिभा को मजबूत मंच देगा, बल्कि ज्वेलरी ट्रेड समुदाय में एकता, खेलभावना और सहभागिता को भी नई दिशा प्रदान करेगा। आयोजकों को विश्वास है कि MWPL सीज़न 2 पिछले सीज़न से भी अधिक रोमांचक, प्रतिस्पर्धी और यादगार साबित होगा।

SHEAURA
JEWELS
Unveiling
ELEGANCE
In Every DETAIL
www.sheaurajewels.com | sheaurajewels

आपके अटल विश्वास और अटूट प्रेम की डोर में बंधे है
हमारे नयनाभिरम्य स्वर्ण आभूषण

Sakariya Jewels

Specialist in : 916 Hallmark Gold Jewellery & Certified Diamond Jewellery (Wholesale & Retail)

177/179, Laxmi House, Ground Floor
Near Cotton Exchange, Kalbadevi Road, Mumbai - 400 002.
Tel.: 2240 6816, 4968 6425 | I.Com: 7285

Sakariya

JEWELLERS

WHOLESALE & RETAIL GOLD EXCLUSIVE JEWELLERY

177/179, Kalbadevi Road, Laxmi House, 1st Floor
Near Cotton Exchange, Mumbai - 400 002.
Tel.: 2240 4800, 2240 4825 | Fax : 2240 1023, I.Com: 7283

1-2 नहीं, 23 देश बढ़ा रहे हैं सोने का भंडार

नई दिल्ली। सोने की कीमत में इस साल भारी तेजी आई है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि कई देशों के सेंट्रल बैंक जमकर सोने की खरीदारी कर रहे हैं। इस साल इन बैंकों ने 830 टन से अधिक सोना खरीदा है। साल की पहली छमाही में 23 देशों ने अपना गोल्ड रिजर्व बढ़ाया है। पिछले लगातार तीन साल इन बैंकों ने 1000 टन से ज्यादा सोना खरीदा है। यह लगातार 16वां साल हैं जब केंद्रीय बैंकों ने सोने की खरीदारी की है। इससे पहले सेंट्रल बैंकों ने कभी भी इतने लंबे समय तक सोने की खरीदारी नहीं की थी। साल 2010 से पहले इन बैंकों ने लगातार 21 साल तक सोने की बिक्री की थी।

साल 2017 के बाद से अधिकांश देशों के सेंट्रल बैंकों ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार में डॉलर की हिस्सेदारी कम की है। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी करीब 15 प्रतिशत पहुंच गई है। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका के पास सबसे ज्यादा गोल्ड रिजर्व है। उसके पास कुल 8,133.5 टन सोना है जो उसके कुल विदेशी भंडार का 78.7 प्रतिशत है। उसके बाद जर्मनी (3,350.3 टन), इटली (2,451.8 टन), फ्रांस (2437 टन), रूस (2,326.5 टन), चीन (2,302.3 टन), स्विट्जरलैंड (1,039.9 टन), भारत (880 टन), जापान (846 टन) और तुर्की (639 टन) का नंबर है। यूरोप की सबसे इकॉनमी जर्मनी के फॉरेक्स रिजर्व में सोने की हिस्सेदारी 78.6 प्रतिशत हो चुकी है जो अगस्त 2017 में 69.6 प्रतिशत थी।

इस दौरान जर्मनी के विदेशी मुद्रा भंडार में यूएस ट्रेजरी बिल की हिस्सेदारी में काफी कमी आई है। अगस्त 2017 में यह 427.1 अरब डॉलर थी जो जुलाई 2025 में घटकर 107.7 अरब डॉलर रह गई। इटली के फॉरेक्स रिजर्व में सोने की हिस्सेदारी 75.4 प्रतिशत पहुंच गई है जो अगस्त 2017 में 66.4 प्रतिशत थी। इसी दौरान फ्रांस के फॉरेक्स रिजर्व में सोने की हिस्सेदारी 59.8 से बढ़कर 75.8 प्रतिशत, रूस में 17.1 प्रतिशत से 38 प्रतिशत, चीन में 2.3 से 7 प्रतिशत, स्विट्जरलैंड में 5.2 प्रतिशत से 11.4 प्रतिशत, भारत में 5.6 प्रतिशत से 13.8 प्रतिशत, जापान का 2.4 से 7 प्रतिशत और तुर्की में 11.3 से 43.7 प्रतिशत पहुंच चुकी है।

रत्न-आभूषण निर्यात को ट्रंप टैरिफ से चपत

अमेरिका द्वारा भारत के ज्यादातर निर्यात पर 50 फीसदी का उच्च शुल्क लगाए जाने की वजह से सितंबर महीने में अमेरिका भेजे जाने वाले रत्न और आभूषणों के निर्यात पर सबसे ज्यादा असर पड़ा है। वाणिज्य विभाग द्वारा जारी अलग-अलग आंकड़ों के अनुसार सितंबर में अमेरिका को मोती, कीमती और अर्ध-कीमती रत्नों का निर्यात 76.7 फीसदी घट गया जबकि सोने और अन्य कीमती धातुओं के आभूषणों के निर्यात में 71.1 फीसदी की गिरावट आई। भारत से कुल कीमती रत्नों के निर्यात में अमेरिकी बाजार की हिस्सेदारी 37 फीसदी और सोने के आभूषणों के निर्यात में 28 फीसदी हिस्सेदारी है।

OPENING & CLOSING RATES

1-31 Oct 2025

RATE CHART

Source : India Bullion and Jewellers Association Ltd.

Note: 1. Below Rates are exclusive of VAT. 2. Opening Rates are not provided on Saturday 3. Opening and Closing Rates are not provided on Sunday's and Holidays.

Date	Gold 999 (AM Price)	Gold 999 (PM Price)	Gold 995 (AM Price)	Gold 995 (PM Price)	Gold 916 (AM Price)	Gold 916 (PM Price)	Silver 999 (AM Price)	Silver 999 (PM Price)
	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	1 Kg	1 Kg
03-Oct-25	116833	116954	116365	116486	107019	107130	145010	145610
04-Oct-25	SAT							
05-Oct-25	SUN							
06-Oct-25	119059	119249	118582	118771	109058	109232	148550	148833
07-Oct-25	119967	119941	119487	119461	109890	109866	149438	149441
08-Oct-25	121799	122098	121311	121609	111568	111842	150783	152700
09-Oct-25	122570	122629	122079	122138	112274	112328	154100	159550
10-Oct-25	120845	121525	120361	121038	110694	111317	162143	164500
11-Oct-25	SAT							
12-Oct-25	SUN							
13-Oct-25	123769	124155	123273	123658	113372	113726	173125	175325
14-Oct-25	125682	126152	125179	125647	115125	115555	176175	178100
15-Oct-25	126792	126714	126284	126207	116141	116070	176467	174000
16-Oct-25	127247	127471	126737	126961	116558	116763	170850	168083
17-Oct-25	130874	129584	130350	129065	119881	118699	171275	169230
18-Oct-25	SAT							
19-Oct-25	SUN							
20-Oct-25	126730	127633	126223	127122	116085	116912	160100	163050
21-Oct-25	Market Holiday							
22-Oct-25		123907		123411		113499		152501
23-Oct-25	123827	123354	123331	122860	113426	112992	151200	151450
24-Oct-25	122419	121518	121929	121031	112136	111310	147750	147033
25-Oct-25	SAT							
26-Oct-25	SUN							
27-Oct-25	122402	121077	121912	120593	112120	110907	148030	145031
28-Oct-25	119164	118043	118687	117570	109154	108127	143400	141896
29-Oct-25	119352	120628	118874	120145	109326	110495	145728	146633
30-Oct-25	119253	119619	118775	119140	109236	109571	145600	146783
31-Oct-25	120815	120770	120331	120286	110667	110625	149142	149125

आरबीआई का सुनहरा रिकॉर्ड

पहली बार 100 अरब डॉलर पार पहुंचा सोने का खजाना

भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार, भारत के सोने के भंडार ने पहली बार 100 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है। यह उपलब्धि ऐसे समय में हुई है जब इस साल आरबीआई की सोने की खरीदारी काफी धीमी रही है, लेकिन वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतों में जबरदस्त बढ़ोतरी से भंडार का मूल्य स्वतः बढ़ गया। 10 अक्टूबर 2025 को समाप्त सप्ताह में भारत के गोल्ड रिजर्व का मूल्य 3.595 अरब डॉलर बढ़कर 102.365 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। यह जानकारी आरबीआई के विदेशी मुद्रा भंडार (Forex Reserves) के ताज़ा डेटा में सामने आई है।

दुनिया भर में सोने की कीमतें नए रिकॉर्ड बना रही हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहली बार सोना 4,300 डॉलर प्रति औंस के पार चला गया है, जिससे आरबीआई के

पास मौजूद सोने का मूल्य तेजी से बढ़ा है। सोने के भंडार में बढ़ोतरी के बावजूद देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 2.17 अरब डॉलर घटकर 697.78 अरब डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (FCA), जो फॉरेक्स रिजर्व का सबसे बड़ा हिस्सा होती हैं, 5.60 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 572.10 अरब डॉलर पर दर्ज हुईं। स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (SDR) 130 मिलियन डॉलर घटे, जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) में भारत की आरक्षित स्थिति 36 मिलियन डॉलर कम हुई। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के मुताबिक, आरबीआई ने जनवरी से सितंबर 2025 के बीच केवल 4 टन सोना खरीदा, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 50 टन खरीदा गया था। इसके बावजूद, सोने की कीमतों में उछाल के चलते सोने की हिस्सेदारी भारत के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़कर 14.7 प्रतिशत हो गई है, जो 1996-97 के बाद सबसे ऊंचा स्तर है। आरबीआई विदेशी मुद्रा भंडार का इस्तेमाल रुपये को स्थिर रखने के लिए करता है। जब रुपया मजबूत होता है तो आरबीआई डॉलर खरीदता है और जब रुपये पर दबाव आता है, तो आरबीआई डॉलर बेचकर बाजार में स्थिरता लाता है।

PURPLE
JEWELS PVT. LTD.
#PurpleJewels
Grace, carved in silver
BENGALURU
9844100503
CHENNAI
9841472000
MUMBAI
9920274644
HYDERABAD
9035130300

सिल्वर फिर पकड़ेगा तेजी

अक्टूबर 2025 में ऑल टाइम हाई से धड़ाम पर एक नजर

इस साल में अक्टूबर 2025 का महीना वैश्विक कीमती धातु बाजारों के लिए ऐतिहासिक रहा। गोल्ड के साथ साथ सिल्वर ने भी नए रिकार्ड बनाए। लेकिन सिल्वर जितनी तेजी से यह ऊपर चढ़ा, उतनी ही तेजी से नीचे भी गिर गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सिल्वर ने 54 यूएस डॉलर प्रति ट्रॉय औंस का नया रिकॉर्ड बनाया, और भारत में भी यह 2 लाख रुपए प्रति किलो पर पहुंच गया। किंतु कुछ ही हफ्तों में इसके रेट 20 फीसदी तक गिर गए। भारतीय बाजार के लिए यह गिरावट किसी अचानक झटके की तरह थी, जिसने निवेशकों और उद्योगों दोनों को चौंका दिया। परंतु इस उतार - चढ़ाव के पीछे के कारण, इसका ऐतिहासिक पैटर्न, और भविष्य की संभावनाएं कहीं अधिक गहराई में छिपी हैं। ताजा माहौल में, सिल्वर में उछाल के बाद जो गिरावट आई, उसने यह साबित कर दिया कि सिल्वर का बाजार आज भी उतना ही अस्थिर है जितना आधी सदी पहले था। लेकिन जानकार इभी भी कह रहे हैं कि सिल्वर को आगे ही जाना है, और आने वाले कुछ ही नहीनों में सिल्वर पिर से 2 लाख के लेवल पर खड़ा रहेगा।

सिल्वर के वैश्विक परिदृश्य देखें, तो सिल्वर अपनी रिकॉर्ड ऊंचाई से अचानक फिसलन पर पहुंच गया। दरअसल, सिल्वर की कीमतों में उछाल 2024 के मध्य से ही शुरू हुआ था, जब विश्वभर में औद्योगिक मांग तेजी से बढ़ने लगी। सोलार ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में सिल्वर की जरूरत लगातार बढ़ रही थी। इन सभी क्षेत्रों में उपयोग की मात्रा पिछले दो वर्षों में लगभग 25 से 30 फीसदी तक बढ़ी। इस बढ़ी हुई खपत के मुकाबले खनन उत्पादन सीमित रहा। खासकर लैटिन

सिल्वर की सन 2024-25 में औद्योगिक मांग मजबूत रही, पर सप्लाई कुछ वर्षों में बेहद प्रभावित रही जिससे 2025 में इसके रेट्स पर ऊपर की ओर दबाव पड़ा। भारत में घरेलू कीमतों पर सीधा विपरीत असर पड़ा लेकिन वैश्विक स्तर पर माना जा रहा है कि यह गिरावट अस्थायी है। सिल्वर आने वाले दिनों में 2 लाख तक पहुंच सकता है।

अमेरिका और अमेरिका की कुछ प्रमुख खदानों में उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई। तो, सिल्वर के रेट तो बढ़ने ही थे। सन 2025 में सिल्वर की मांग और आपूर्ति का अंतर इतना बढ़ा कि वर्ल्ड सिल्वर सर्वे के अनुसार लगातार तीसरे साल सिल्वर मार्केट में सप्लाई में कमी का माहौल बना रहा। यही कारण था कि निवेशकों ने सिल्वर को अगली गोल्ड रैली के रूप में देखना शुरू किया और सिल्वर के एक्सचेंजट्रेडेड फंड्स में भारी निवेश हुआ। परिणामस्वरूप अक्टूबर की शुरुआत में सिल्वर ने 50 यूएस डॉलर प्रति ट्रॉय औंस का स्तर पार किया और कुछ ही दिनों में 54 यूएस डॉलर प्रति ट्रॉय औंस तक पहुंच गया। यह 1980 के झटके के बाद का सबसे ऊंचा स्तर था। अक्टूबर 2025 में सिल्वर के रिकॉर्ड हाई के बाद अचानक आई गिरावट के पीछे कई कारक काम कर रहे थे। पहला कारण था प्रॉफिट मेकिंग। यानी जिन निवेशकों ने 2024 से ही कम भाव पर सिल्वर खरीदी थी, उन्होंने ऊंचे स्तर पर मुनाफा बुक कर लिया। बड़े फंड्स और ट्रेडर्स ने भी तेजी से शॉर्ट पोजीशन ली, जिससे कीमतों पर गिरने का दबाव बढ़ा। दूसरा कारण था सिल्वर की वास्तविक आपूर्ति में अस्थायी करेक्शन। लंदन मेटल एक्सचेंज और कॉमेक्स के कुछ वॉल्ट्स में उस समय बड़ी मात्रा में भंडार सामने आया, जिससे तत्काल सिल्वर की आपूर्ति बढ़ी और स्पॉट प्रीमियम कम हुआ। तीसरा कारण रहा डॉलर की मजबूती और अमेरिकी फेडरल बैंक की नीतियों को लेकर बने अनुमान। जैसे ही अमेरिकी अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत दिखे, डॉलर सूचकांक चढ़ा और कमोडिटी बाजारों में निवेश घटने लगा। डॉलर के मजबूत होते ही सामान्यतः गोल्ड व सिल्वर जैसी कीमती धातुएं कमजोर पड़ती हैं, और यही सिल्वर के साथ भी हुआ। इन सबके साथ सिल्वर के बाजार में ट्रेडिंग का अनुपात बहुत बड़ा है। यह बाजार गोल्ड की तुलना में छोटा है और कुछ ही बड़े सिलेवर प्लेयर्स के निर्णय कीमतों में भारी बदलाव ला सकते हैं। यही वजह रही कि कुछ ही दिनों में सिल्वर 54 यूएस डॉलर प्रति ट्रॉय औंस से गिरकर 45 यूएस डॉलर प्रति ट्रॉय औंस तक नीचे आ गई। हालांकि, सिल्वर के पिछले 50 साल के इतिहास को देखें तो उतारचढ़ाव इसका स्थायी स्वभाव लगता है। सन

1980 में अमेरिकी निवेशक हंट ब्रदर्स ने बड़ी मात्रा में सिल्वर खरीदकर कृत्रिम रूप से कीमतों को 50 यूएस डॉलर प्रति ट्रॉय औंस तक पहुंचा दिया था। पर कुछ ही महीनों में जब सिल्वर के निर्णयकर्ताओं ने सख्ती दिखाई, तो बाजार ढह गया और सिल्वर की कीमतें सीधे 10 यूएस डॉलर प्रति ट्रॉय औंस से नीचे आ गई थी। सन 2008 से सन 2011 के बीच वित्तीय संकट और मुद्रास्फीति के डर ने फिर सिल्वर को ऊपर धकेला और यह 48 यूएस डॉलर प्रति ट्रॉय औंस तक पहुंचा, पर 2013 में फिर सिल्वर में 60 फीसदी की गिरावट आ गई। सन 2020-21 में महामारी के दौरान सिल्वर ने फिर तेजी की रैली दिखाई, लेकिन बाद में फिर से गिरावट आई। यह पैटर्न बताता है कि हर बार जब आर्थिक अनिश्चितता, औद्योगिक मांग या मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ा, तब सिल्वर तेजी से उछला – और जब स्थितियां सामान्य हुई, तब उतनी ही तेजी से गिरावट भी आ गई।

वर्ल्ड सिल्वर इंस्टीट्यूट के अनुसार सन 2024 में सिल्वर की वैश्विक मांग लगभग 1.16 बिलियन औंस रही, जो रिकॉर्ड थी। इसमें 55 फीसदी हिस्सा औद्योगिक उपयोग का था, जबकि ज्वेलरी और निवेश मिलाकर बाकी हिस्सा 45 फीसदी रहा हैं। लेकिन सिल्वर का वैश्विक उत्पादन उस गति से नहीं बढ़ पाया। सिल्वर की माइनिंग लागत में लगातार बढ़ोतरी होती रही, सिल्वर खदानों की नई परियोजनाओं की पर्यावरणीय मंजूरी में देरी भी हुई और कुछ देशों में राजनीतिक अस्थिरता ने भी सिल्वर की आपूर्ति को बाधित किया। भारत जैसे देशों में भी यह असंतुलन स्पष्ट है। भारत सिल्वर के सबसे बड़ा उपभोक्ता देशों में है। हमारे देश में मिठाई से लेकर पूजन सामग्री से लेकर निवेश से लेकर ज्वेलरी सहित दवाईयों और औद्योगिक उत्पादों में भी इसका भरपूर उपयोग होता है। भारत सरकार ने सन 2025 में सिल्वर पर इंपोर्ट ड्यूटी को 15 फीसदी से घटाकर 6 फीसदी किया, जिससे सिल्वर के इंपोर्ट में आसानी हुई। परंतु वैश्विक स्तर पर सिल्वर की कीमतें इतनी तेजी से बढ़ीं कि इसका असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा। आप जानते ही हैं कि सिल्वर की खनन प्रक्रिया बेहद जटिल है क्योंकि यह अक्सर कॉपर, जिंक या लीड आदि की खदानों में सह उत्पाद के रूप में निकलती है। इसका अर्थ है कि अगर इन अन्य धातुओं की मांग या कीमत घटे, तो सिल्वर का उत्पादन भी प्रभावित होता है, क्योंकि उन धातुओं की मांग घटते ही उनका खनन भी कम हो जाता है, तो सिल्वर का खन कम ही मिलता है। इसके अलावा, नई खदानें शुरू करने की लागत लगातार बढ़ रही है। सन 2024-25 में

राहुल मेहता
सिल्वर एम्पोरियम

सिल्वर का इतिहास ही सदा से ही उतार - चढ़ाव वाला रहा है। सिल्वर अचानक बहुत तेजी से बढ़ता है, तो उतनी ही तेजी से घट भी जाता है। मेरी राय में सिल्वर फिर से तेजी पकड़ेगा और 2027 के अंत तक 2.5 लाख प्रति किलो तक भी जा सकता है।

कई देशों में सिल्वर की खनन का खर्च बढ़कर 20 से 22 यूएस डॉलर प्रति ट्रॉय औंस तक पहुंच गया। कारण सीधा सा बाजार के गणित का है, अतः यदि बाजार मूल्य इस लेवल से बहुत अधिक नहीं है, तो खनन कंपनियां नए विस्तार में निवेश भी नहीं करतीं, क्योंकि उसमें कोई लाभ नहीं होता, बल्कि हानि ही पक्की है। इस वजह से भी सिल्वर की सप्लाई सीमित रहती है, और जब भी मांग बढ़ती है, इसकी कीमतें तेज उछाल मारना लगती हैं। यही स्थिति इस साल 2025 में भी देखने को मिली। भारत में सिल्वर के दाम सीधे अंतरराष्ट्रीय कीमतों से जुड़े हैं। लेकिन रुपये की डॉलर एक्सटेंज रेट्स, इंपोर्ट ड्यूटी और घरेलू मांग इसका स्थानीय प्रभाव तय करते हैं। अक्टूबर 2025 में जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में सिल्वर 54 यूएस डॉलर प्रति ट्रॉय औंस तक पहुंचा, तब भारत में इसकी कीमत 2 लाख प्रति किलो से ऊपर चली गई। दीपावली और शादियों के सीजन में सिल्वर में निवेश और ज्वेलरी की मांग भी बहुत बढ़ी। लेकिन जैसे ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में गिरावट आई, भारत में भी भाव 1.50 लाख रुपए प्रति किलो के नीचे फिसल गए। कई सिल्वर ट्रेडर्स ने इसे सामान्य करेक्शन बताया, लेकिन रिटेल निवेशकों में घबराहट देखी गई।

सिल्वर के मामले में आने वाले दो वर्षों, अर्थात 2026 और 2027 का संभावित परिदृश्य का आंकलन करें, तो सिल्वर की भविष्यवाणी करना हमेशा कठिन रहा है, क्योंकि यह धातु गोल्ड और औद्योगिक दोनों बाजारों से जुड़ी रहती है। फिर भी 2026-27 के लिए तीन संभावित परिदृश्य बनते हैं। पहला जो संतुलित और मध्यम परिदृश्य यह है कि यदि सिल्वर की औद्योगिक मांग स्थिर रहती है और खनन धीरे - धीरे बढ़ता है, तो सिल्वर की कीमतें 2026 के अंत तक भारत में 1.70 से 1.90 रुपए प्रति किलो के बीच रह सकती है। और इसी हिसाब से 2027 के अंत में सिल्वर 2 लाख से सवा 2 लाख रुपए प्रति किलो तक जा सकता है। इस स्थिति में बाजार संतुलित रहेगा। लेकिन तेजी वाले परिदृश्य की बात करें, तो यदि खनन में रुकावटें जारी रहीं और सौर ऊर्जा व इलेक्ट्रिक वाहन सेक्टर में मांग और बढ़ी, तो कीमतें 2026 के अंत तक ढाई लाख रुपए प्रति किलो और 2027 में 2 लाख रुपए प्रति किलो तक भी जा सकती हैं। लेकिन बात अगर मंदी की करें, तो अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ, महंगाई घट गई और औद्योगिक वृद्धि धीमी पड़ी, तो कीमतें 2026 के अंत तक 45 यूएस डॉलर प्रति ट्रॉय औंस से बहुत तक नीचे फिसल भी सकती हैं, यानी भारत में सिल्वर के रेट का चक्र प्रति किलो 1.50 लाख के आसपास मंडराता रहेगा। इनमें से कौनसा परिदृश्य साकार होगा, यह आने वाले महीनों की मौद्रिक नीति, तकनीकी हालात, खनन की तेजी और वैश्विक अर्थव्यवस्था की दिशा पर निर्भर करेगा।

निवेशकों और उद्योग के लिए सिल्वर एक सबक के रूप में सदा खड़ा रहा है। बाजार के जानकार मानते हैं कि सिल्वर में निवेश हमेशा लंबी अवधि की सोच से करना चाहिए। क्योंकि, इसमें अस्थिरता इतनी अधिक है कि अल्पकालिक निवेशक अक्सर नुकसान उठा बैठते हैं। जानकार कहते हैं कि निवेशकों के लिए बेहतर रणनीति यह है कि वे इसे धीरे - धीरे खरीदें और लंबे समय तक रखें। सिल्वर के एक्सपर्ट मानते हैं कि ट्रेडरों को भी स्टॉप लॉस का खास ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि कीमतें कुछ ही घंटों में बड़े बदलाव दिखा सकती हैं। इसके अलावा उद्योगों को, विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक्स और ज्वेलरी सेक्टर को, हेजिंग रणनीतियों पर ध्यान देना चाहिए ताकि अंतरराष्ट्रीय उतार - चढ़ाव से बचाव हो सके। क्योंकि सिल्वर का स्वभाव अब भी वही पुराना है और आगे भी इसके बदलने के हालात बेहद कम ही है। दरअसल, सिल्वर की चाल पर भरोसा केवल उन्हीं को करना चाहिए जो सिवल्वर की दीर्घकालिक निवेश और जरूरतों को समझते हैं। इसके बावजूद मान्यता यही है कि सन 2026-27 में सिल्वर एक बार फिर नई ऊंचाइयों को छू सकता है, पर गिरावट के झटके भी उसी तरह आ सकते हैं। सिल्वर के लिए यही सबसे बड़ा सबक है, क्योंकि सिल्वर हमेशा चमकेगा, लेकिन कभी सीधा - सीधा नहीं।

विनय शोभावत
आनंद दर्शन सिल्वर्स

सिल्वर में सन 2025 की बहुत तेज और अचानक आए 25 फीसदी के करेक्शन ने यह साबित कर दिया कि सिल्वर का बाजार सदियों से जैसा उतार - चढ़ाव वाला रहा है, वैसा ही आज भी है, बेहद भावनात्मक, अप्रत्याशित प्रतिक्रियाशील और अवसरों से भरा हुआ।

हेमंत बड़ोला
वर्धमान 925

सिल्वर के मामले में यह पहला खयाल रखना चाहिए कि यह न तो केवल कीमती धातु है और न ही सिर्फ औद्योगिक मेटल, यह दोनों का मिश्रण है। यही कारण है कि सिल्वर की कीमतें हर बार वैश्विक अर्थव्यवस्था की नब्ज़ के साथ धड़कती हैं।

आयुष सिंघवी
अरिहंत 925 सिल्वर

सिल्वर में अक्टूबर 2025 के ऑल टाइम हाई का मामला इतिहास में सदा दर्ज रहेगा, लेकिन यह भी दर्ज रहेगा कि अचानक 30 फीसदी धड़ाम भी हुआ। हमारे देश में सिल्वर का जरूरतें काफी ज्यादा है, इंटस्ट्रीयल जरूरतें भी बढ़ती रहेंगी, तो रेट तो बढ़ेंगी ही।

ANSAA
JEWELLERS (P) LTD.

Office No. 23 & 24 2nd Floor, 118, Kansara Chawl Co-op. Hsg. Society Limited
Kalbadevi Road, Near Surti Hotel, Bhuleshwar, Mumbai-400 002.
Tel.: +91 (22) 22411244 / 1245 / Email : kantipshah@gmail.com
Website : www.ansaajewellers.com Intercom : 4003 & 3607

सोने के 67 प्रतिशत रिटर्न ने उड़ा दिए होश

राधिका गुप्ता बोलीं, लोग समझ नहीं रहे असली खेल

आजकल ज्यादातर लोग सिर्फ एक साल के रिटर्न और व्हाट्सएप पर चल रही सोना-चांदी की बातों में उलझे रहते हैं। इस पर एडेलवाइस म्युचुअल फंड की सीईओ राधिका गुप्ता ने कहा कि भारतीय निवेशक अब छोटी अवधि की सोच से निवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गलती सिर्फ आम लोगों की नहीं है, बल्कि पूरा फाइनेंशियल सिस्टम भी इसी चक्कर में है। मुंबई में हुई एक बड़ी कॉन्फ्रेंस में राधिका गुप्ता ने कहा, हम मंच पर बैठकर निवेशकों की गलतियां गिनाते हैं, लेकिन वही गलती हम खुद भी करते हैं। हम भी वही चीजें खरीदते हैं जो उस वक्त सबको अच्छी लगती हैं।

एडेलवाइस म्युचुअल फंड की सीईओ राधिका गुप्ता ने कहा, 'हर कोई रिटर्न के पीछे भाग रहा है, लेकिन असली समझदारी लंबी सोच में है।'

कैसे एक 'सिली प्रोडक्ट' बन गया सबसे पसंदीदा निवेश?

गुप्ता ने अपने फंड हाउस का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे ट्रेंड बदलने से लोगों की सोच भी बदल जाती है। उन्होंने कहा कि साल 2022 में एडेलवाइस ने 50-50 गोल्ड और सिल्वर फंड लॉन्च किया था, लेकिन उस समय किसी को उसमें दिलचस्पी नहीं थी। उन्होंने हंसते हुए कहा, सच कहूं तो यह थोड़ा 'सिली प्रोडक्ट' था। उस वक्त रिटर्न इतने खराब लग रहे थे कि मेरी टीम इसे प्रेजेंटेशन में दिखाना भी नहीं चाहती थी। उस समय इस फंड में सिर्फ 12 करोड़ रुपये का निवेश आया था। लेकिन तीन साल बाद, जब सोने और चांदी की कीमतें बढ़ीं, तो यही फंड 67.5 प्रतिशत रिटर्न देकर बहुत लोकप्रिय हो गया। अब हर दिन इसमें करीब 25 करोड़ रुपये का नया निवेश आ रहा है। गुप्ता ने मुस्कराते हुए कहा, आप फंड नहीं मांग रहे, आपकी सोच मांग रही है। उन्होंने बताया कि अब लोग प्लैटिनम और कॉपर SIPs की भी मांग कर रहे हैं। जबकि कुछ साल पहले कोई इनके बारे में सोचता भी नहीं था।

क्या पिछला साल अगले साल की गारंटी है?

गुप्ता ने कहा कि पिछले साल के अच्छे रिटर्न देखकर निवेश करना बहुत बड़ी गलती है। उन्होंने समझाया, यह फंड अभी 67 प्रतिशत रिटर्न दे नहीं रहा, बल्कि दे चुका है। और यही फर्क लोगों को समझना चाहिए। उन्होंने बताया कि ऐसी सोच से लोग भीड़ के पीछे चलने लगते हैं, जिसे 'herd behaviour' कहा जाता है। जब सब एक ही चीज़ में निवेश करने लगते हैं, तो बाद में कई बार नुकसान भी उठाना पड़ता है। गुप्ता ने कहा कि बाजार में जो चीज आज सबको पसंद है, वही कल गिर सकती है। उनके अनुसार, असली समझदारी इसी में है कि आप वो मौका देखें, जिसे बाकी लोग नहीं देख रहे हैं।

लंबी अवधि की सोच क्यों है जरूरी?

आज भले ही सोने और चांदी के फंड चर्चा में हों, लेकिन राधिका गुप्ता का ध्यान अब फिक्स्ड इनकम SIPs पर है। यानी ऐसे निवेश जिनमें इस समय ज्यादा लोग दिलचस्पी नहीं दिखा रहे, लेकिन जो सुरक्षित और संतुलित निवेश योजना के लिए बहुत जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि भारत में रिटर्न की दीवानगी यानी जल्दी ज्यादा मुनाफा कमाने की चाहत, लोगों को थोड़े समय के लिए खुश करती है, लेकिन असली दौलत लंबे समय की सोच से ही बनती है। गुप्ता ने साफ कहा, जो चीज आज चमक रही है, वो हमेशा नहीं चमकेगी। समझदार निवेश वही है, जो आज से ही कल के सही मौके पहचान सके।

चैंपियन पर इनामों की बरसातः

महिला क्रिकेट टीम को गिफ्ट मिलेगी 'डायमंड ज्वेलरी', सूरत के व्यापारी ने की घोषणा

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने कल नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहला महिला वर्ल्ड कप जीता। इसके बाद से विजयी टीम की खिलाड़ियों पर इनाम की बारिश हो रही है। इस कड़ी में सूरत के व्यापारी ने सभी विजेता खिलाड़ियों का 'डायमंड ज्वेलरी' गिफ्ट करने की घोषणा की है। दुनिया में परचम लहराने वाली विश्व चैंपियन भारतीय महिला क्रिकेट टीम पर इनाम की बरसात हो रही है। पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई और राज्य सरकारों के बाद अब सूरत के व्यापारी ने विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ियों को गिफ्ट देने की घोषणा की है। सूरत के उद्योगपति और राज्यसभा सदस्य गोविंद ढोलकिया ने घोषणा की है कि वे सभी विजेता खिलाड़ियों को गिफ्ट के तौर पर डायमंड ज्वेलरी देंगे।

गोविंद ढोलकिया, जो श्रीरामकृष्ण एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लि. के संस्थापक और चेयरमैन एमेरिटस हैं, ने फाइनल मैच से पहले बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला को एक पत्र लिखकर यह इच्छा जताई थी। उन्होंने कहा कि वे टीम की हर खिलाड़ी को 'हैंडक्राफ्टेड नेचुरल डायमंड ज्वेलरी' भेंट करेंगे, जो उनकी मेहनत और हौसले की सराहना का प्रतीक होगी। इसके साथ ही वे खिलाड़ियों के घरों के लिए रूफटॉप सोलर पैनल भी देना चाहते हैं, ताकि जिस रोशनी से उन्होंने देश को जगमगाया, वह उनके जीवन में भी स्थायी रूप से चमके। हीरा उद्योग और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय गोविंद ढोलकिया अपने परोपकारी कार्यों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने पहले भी शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कई पहल की हैं। इस बार उनका यह कदम खेल और स्थिरता दोनों को जोड़ने वाला है।

गोविंद ढोलकिया ने कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपने साहस, अनुशासन और लगन से देश के करोड़ों लोगों का दिल जीत लिया है। उनका यह कदम इस सोच को दर्शाता है कि सच्ची सफलता वही है जो इंसान और पर्यावरण- दोनों को आगे बढ़ाए।

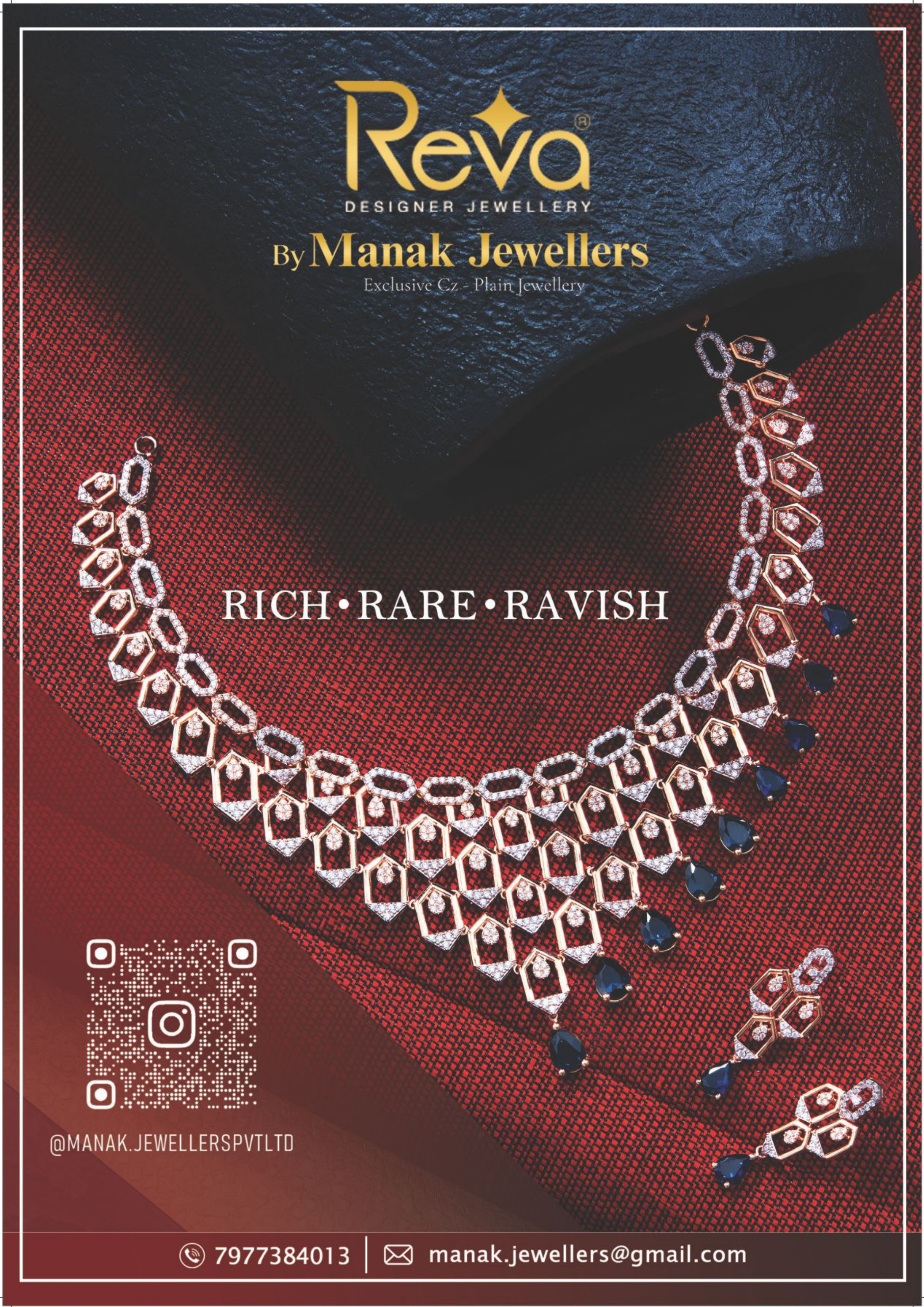
Reva®
DESIGNER JEWELLERY
By Manak Jewellers
Exclusive Cz - Plain Jewellery
RICH • RARE • RAVISH
@MANAK.JEWELLERSPVTLTD
7977384013
manak.jewellers@gmail.com

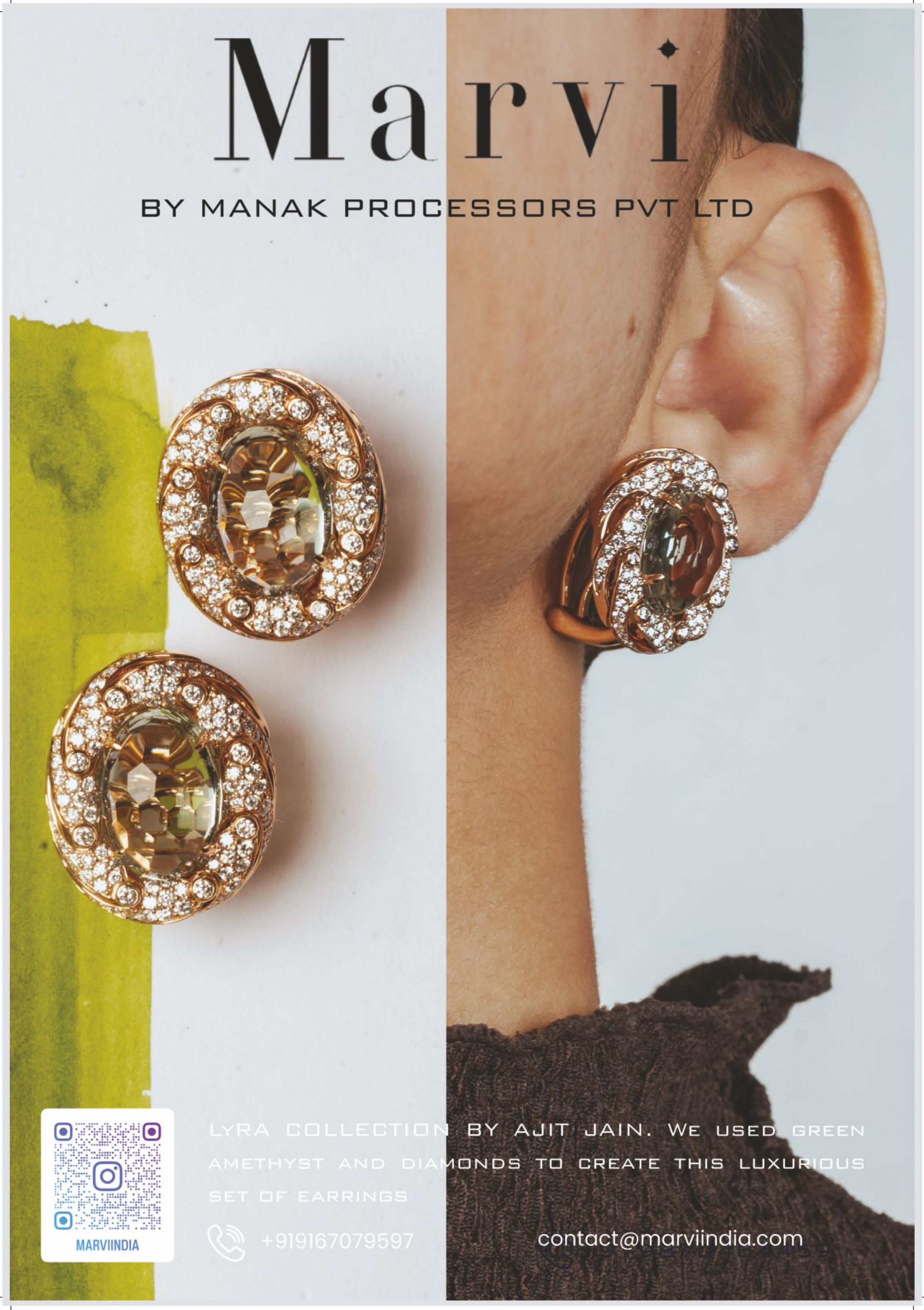
Marvi
BY MANAK PROCESSORS PVT LTD
LYRA COLLECTION BY AJIT JAIN. WE USED GREEN AMETHYST AND DIAMONDS TO CREATE THIS LUXURIOUS SET OF EARRINGS
+919167079597
contact@marviindia.com
MARVIINDIA

वैश्विक बाजार में सोने के दाम घटने से भारत के सोने के भंडार के वैल्यूएशन में भारी कमी हुई है। तभी तो 24 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर असर पड़ा है और इसमें 6.9 बिलियन की कमी दिखी है। इसी के साथ अब अपना भंडार घट कर 695.35 बिलियन का रह गया है। इससे एक सप्ताह पहले अपने विदेशी मुद्रा भंडार में 4.50 बिलियन की बढ़ोतरी हुई थी।

अपने विदेशी मुद्रा भंडार में भारी कमी, सोने का भंडार भी घट गया!

मुंबई। अपने विदेशी मुद्रा भंडार में भारी कमी हुई है। बीते सप्ताह इसमें 6.93 बिलियन की कमी हुई है। इसी सप्ताह अपने सोने के भंडार में भी 3.01 बिलियन की कमी हुई है। आलोच्य सप्ताह के दौरान अपने फॉरेन करेंसी एसेट में भी 3.86 बिलियन की कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 4.49 बिलियन की बढ़ोतरी हुई थी।

कहां तक गिर गया भंडार

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से पिछले दिनों जारी आंकड़ों के मुताबिक 24 अक्टूबर 2025 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 6.93 बिलियन की भारी कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 4.496 बिलियन की बढ़ोतरी हुई थी। अब अपना भंडार घट कर 696.73 बिलियन तक गिर गया है। गौरतलब है कि इससे पहले 27 सितंबर 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 बिलियन के रिकार्ड उच्चतम स्तर पर था।

FCA भंडार में हुई खूब कमी

रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में कमी हुई है। 24 अक्टूबर 2025 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने Foreign Currency Assets (FCAs) में 3.862 बिलियन की कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 1.692 बिलियन की गिरावट हुई थी। अब अपना एफसीए भंडार घट कर 566.548 बिलियन रह गया है। उल्लेखनीय है कि देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट (FCA) एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

गोल्ड रिजर्व में भी भारी कमी

पिछले दिनों ग्लोबल मार्केट में सोने के दाम में भारी कमी हुई है। इसका असर अपने स्वर्ण भंडार पर भी पड़ा है। रिजर्व बैंक के मुताबिक बीते 24 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने सोने के भंडार के वैल्यू में 3.01 बिलियन की भारी कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 6.181 बिलियन की तगड़ी बढ़ोतरी हुई थी। इसी के साथ अब अपना सोने का भंडार का वैल्यू घट कर USD 105.536 बिलियन का रह गया है। उल्लेखनीय है कि इस समय आरबीआई के पास सोने का भंडार 880 टन के पार चला गया है। यह देश के कुल फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व का 14.7 फीसदी से कुछ ज्यादा बैठता है। लेकिन अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत घटने से अपना स्वर्ण भंडार का वैल्यू घटा हुआ दिख रहा है।

एसडीआर में मामूली कमी

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार (SDR) में मामूली कमी हुई है। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान एसडीआर में 58 बिलियन की कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 38 मिलियन की बढ़ोतरी हुई थी। अब यह घट कर 18.664 बिलियन डॉलर का रह गया है। इसी सप्ताह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के पास रखे हुए देश के रिजर्व मुद्रा भंडार में 6 मिलियन डॉलर की वृद्धि हुई है। अब यह बढ़ कर 4.608 बिलियन का हो गया है।

क्या सोने की बढ़ती कीमतें आने वाली महंगाई का संकेत दे रही हैं?

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें एक बार फिर ऊपर जाने लगी हैं। पिछले दिनों सोना लगभग 4 प्रतिशत बढ़कर 4208 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह बढ़त बताती है कि बाजार को आगे चलकर महंगाई बढ़ने की उम्मीद है। इसी वजह से निवेशक सुरक्षित विकल्प के तौर पर सोना खरीद रहे हैं। JM Financial के विश्लेषक हितेश सुवर्णा का कहना है कि सोने की कीमतें अक्सर दुनिया में आने वाली महंगाई को पहले ही भांप लेती हैं। उनकी रिसर्च के अनुसार, सोने की कीमतें और अमेरिका व यूरोप की औसत महंगाई के बीच 0.64 का मजबूत रिश्ता है। यानी जब महंगाई बढ़ने वाली होती है, सोने की कीमत पहले ही चढ़ने लगती है। वे बताते हैं कि सोने और महंगाई का यह संबंध साल 2014 से लगातार देखा जा रहा है। उनकी रिसर्च में उन्होंने महंगाई और गोल्ड प्राइस को 21 महीने बाद की तुलना में देखा, और दोनों में साफ संबंध मिला।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका के ताजा उपभोक्ता महंगाई (CPI) के आंकड़ों में अभी भारी बढ़ोतरी नहीं दिख रही, जबकि पिछले छह महीनों में अमेरिका ने कस्टम ड्यूटी से 3.5 गुना ज्यादा टैक्स

(30 बिलियन डॉलर) इकट्ठा किया है। यानी इंपोर्ट पर टैक्स बढ़ा है, लेकिन अभी महंगाई पर इसका असर नहीं दिखा। विशेषज्ञों का मानना है कि टैक्स का असर धीरे-धीरे दिखता है, और आने वाले महीनों में महंगाई ऊपर जा सकती है। सोने की कीमतों में अभी जो तेजी दिख रही है, वह इसी आने वाली महंगाई का संकेत हो सकता है।

अभी हालात बताते हैं कि सोने की कीमतें ऊंची रह सकती हैं। इसकी वजह है कि दुनिया भर के केंद्रीय बैंक लगातार सोना खरीद रहे हैं। हालांकि 2025 में (जनवरी से सितंबर) बैंकों ने 634 टन सोना खरीदा, जो पिछले साल इसी समय की 724 टन खरीद से थोड़ा कम है, लेकिन फिर भी यह खरीद 2014 से 2021 तक किसी भी साल से ज्यादा है। JM Financial का कहना है कि केंद्रीय बैंकों की मजबूत मांग की वजह से सोने की कीमतों में बड़ी गिरावट की संभावना कम है। अभी दुनियाभर की कुल गोल्ड डिमांड में से 17 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ सेंट्रल बैंकों की खरीद का है।

इस समय गोल्ड-सिल्वर रेशियो 78 के आस पास है, जबकि इसका लंबे समय का औसत 68 है। इसका मतलब है कि सोने ने चांदी के मुकाबले कहीं ज्यादा तेजी दिखाई है। यह अंतर अप्रैल 2025 में 102 तक पहुंच गया था। चांदी इस अवधि में लगभग 44 प्रतिशत चढ़ी है, जबकि सोना 27 प्रतिशत बढ़ा है, लेकिन फिर भी सोने की बढ़त ज्यादा मजबूत मानी जा रही है। विशेषज्ञ कहते हैं कि यह आंकड़ा बताता है कि दुनिया में अनिश्चितता बढ़ी है और निवेशक सुरक्षित जगह यानी सोने की ओर जा रहे हैं।

Jefferies के चीफ स्ट्रेटेजिस्ट क्रिस्टोफर वुड का अनुमान है कि आने वाले समय में सोना 6600 डॉलर प्रति औंस तक जा सकता है। यह अभी की कीमत से करीब 57 प्रतिशत ऊपर है। उनका कहना है कि अगर यह अनुमान सही रहा, तो यह सोने की मौजूदा बुल-रन का सबसे ऊंचा स्तर हो सकता है।

ml kanhaiyalal JEWELS
Manufacturer of Plain Gold Jewellery
RA ramasha Gems and Jewels LLP
Manufacturer of Diamond Jewellery
MANISH SONI +91 98207 76844
Ramjivanlal Soni
AMIT SONI +91 98207 70094
A-1401, Aaditya Pearl, 14th Floor, P H Purohit Lane,
Cavel 1st X Lane, Ramwadi, Kalbadevi, Mumbai-400 002.
84620 09009 | 2201 1313 / 2201 1312
mlkjewels2015@gmail.com | ramashajewels @gmail.com
Follow us on : ramashajewels/
WE HAVE NO OTHER BRANCHES

FREE HOME DELIVERY

NAKODA®

Pure Ghee, Edible Oils & More...

SINCE 1978

SATTVIK VERIFIED · QUALITY ASSURANCE · 100% VEGETARIAN

NATURAL KHAO... DIL SE APNAO...®

श्रेयस की पसंद

शुद्धता, खुशबू और पोषण से भरपूर

- नाकोडा देसी घी

DAIRY SPECIAL Pure Ghee

DAIRY TAAZA Cow's Pure Ghee

89288 82457 / 85915 62269 / 89285 86181 / 91377 56585

GHEE AND OIL AVAILABLE IN ALL SIZES AT YOUR DOOR STEP

NAKODA TRUSTED QUALITY OVER 35 YEARS

M/s. KEWALCHAND VINODKUMAR

K.B. Products Pvt. Ltd.

Customer Care: 09819475175 | Website: www.gheetel.com | E-mail: info@gheetel.com

/nakodagheetel | An ISO 22000:2018 & HACCP Certified Company

डिजिटल गोल्ड में खतरा ही खतरा, सेबी ने दी चेतावनी, कहा- कुछ गलत हुआ तो हम जिम्मेदार नहीं

नई दिल्ली। अगर आप डिजिटल गोल्ड में निवेश करने हैं सावधान हो जाइए। इसे लेकर शेयर बाजार की नियामक संस्था सेबी ने चेतावनी जारी की है। सेबी ने आम लोगों को डिजिटल गोल्ड या ई-गोल्ड जैसे उत्पादों में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से निवेश करने के खिलाफ चेतावनी दी है। सेबी का कहना है कि ये उत्पाद सरकारी मंजूरी वाले 'सिक्योरिटीज' नहीं हैं और इसलिए सेबी के दायरे में नहीं आते।

सेबी ने यह भी साफ किया है कि अगर इन डिजिटल गोल्ड उत्पादों में निवेश करने वाले किसी निवेशक को कोई शिकायत होती है, तो सेबी के तहत मिलने वाली कोई भी निवेशक सुरक्षा सुविधा उन्हें नहीं मिलेगी। सेबी की यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब सोने की कीमतें दुनिया भर में अपने उच्चतम स्तर के करीब हैं। हाल ही में, भारत में सोने की खूब खरीदारी हुई थी।

इन प्रोडक्ट पर सेबी का कंट्रोल

सेबी ने बताया है कि उसने सोने और सोने से जुड़े अन्य साधनों में निवेश को आसान बनाया है। ये सेबी द्वारा नियंत्रित गोल्ड प्रोडक्ट हैं। इनमें एक्सचेंज ट्रेडेड कमोडिटी डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स, म्यूचुअल फंड की ओर से पेश किए जाने वाले गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड और स्टॉक एक्सचेंजों पर ट्रेड होने वाली इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स शामिल हैं। इन सेबी-विनियमित गोल्ड उत्पादों में निवेश सेबी के पंजीकृत मध्यस्थों के माध्यम से किया जा सकता है और ये सेबी द्वारा निर्धारित नियामक ढांचे के तहत आते हैं।

इस मामले में भी चेताया

सेबी ने यह भी ध्यान दिया है कि कई कंपनियां फिजिकल गोल्ड के विकल्प के तौर पर ई-गोल्ड और डिजिटल गोल्ड उत्पाद बेच रही हैं। सेबी ने स्पष्ट किया है कि ऐसे डिजिटल गोल्ड उत्पाद सेबी-विनियमित गोल्ड उत्पादों से अलग हैं क्योंकि वे न तो सिक्योरिटीज के रूप में अधिसूचित हैं और न ही कमोडिटी डेरिवेटिव के रूप में विनियमित हैं। वे पूरी तरह से सेबी के दायरे से बाहर काम करते हैं। सेबी ने आगे कहा कि ऐसे डिजिटल गोल्ड उत्पादों में निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण जोखिम हो सकते हैं और ये निवेशकों को काउंटरपार्टी और परिचालन जोखिमों के संपर्क में ला सकते हैं। नियामक ने यह भी कहा कि ऐसे साधनों में निवेश करने वाले निवेशकों को यह ध्यान रखना चाहिए कि सिक्योरिटीज बाजार के दायरे में आने वाली कोई भी निवेशक सुरक्षा तंत्र ऐसे डिजिटल गोल्ड/ई-गोल्ड उत्पादों में निवेश के लिए उपलब्ध नहीं होगी। भारत के कुछ बड़े ज्वैलरी व्यवसाय से जुड़े नाम भी डिजिटल गोल्ड उत्पाद बेचते हैं। एक सरकारी कंपनी (PSU) जो एक स्विस कंपनी के साथ मिलकर काम कर रही है, कुछ ऑनलाइन ज्वैलर्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म भी ये उत्पाद बेचते हैं।

डिजिटल गोल्ड खरीदने के लिए खरीदार को विक्रेता की वेबसाइट पर लॉग इन करना होता है और वह सिर्फ 100 रुपये से भी यह उत्पाद खरीद सकता है। विक्रेता खरीदार को खरीदे गए सोने की राशि और ग्रामेज का एक रसीद देता है। जब खरीदार को जरूरत होती है, तो वह इस रसीद को सरेंडर करके या तो अपने पास मौजूद सोने के बराबर पैसे वापस ले सकता है या फिर विक्रेता द्वारा दिए गए विकल्पों के अनुसार सोने के गहने बदलवा सकता है।

इस बात का रखें ध्यान

यह समझना महत्वपूर्ण है कि सेबी के नियमों के तहत आने वाले गोल्ड उत्पादों में निवेश करना ज्यादा सुरक्षित है क्योंकि वहां निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए नियम और कानून बने हुए हैं। डिजिटल गोल्ड जैसे उत्पादों में निवेश करने से पहले पूरी जानकारी लेना और जोखिमों को समझना बहुत जरूरी है।

SANGAM™
CHAINS N JEWELS
(Unit of Shashwat Ornaments Pvt. Ltd.)
(Gold Jewellery Unit)

Shashwat
Ornaments
Purity. Finnese. Luxury
(Diamond Jewellery Unit)

Vaani 18
by SANGAM CHAINS N JEWELS
(18KT Gold Jewellery)

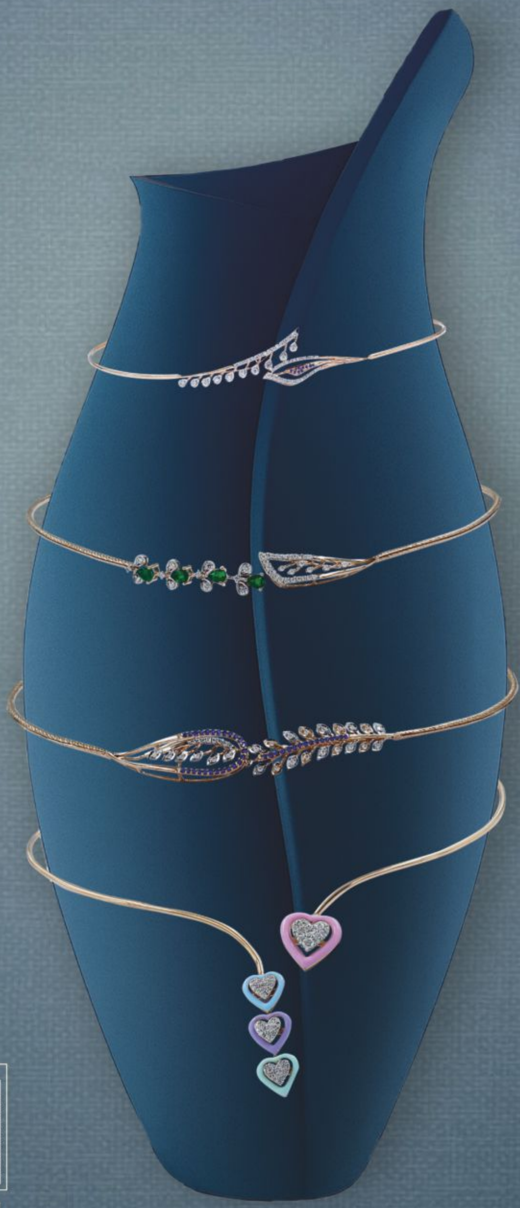

SHASHWAT ORNAMENTS
SANGAM CHAINS N JEWELS
FOLLOW US ON INSTAGRAM !

Head Office : G4 Melestar House , 2nd floor, MIDC Cross Road - A, Near Marol Bus Depot, Andheri(East), Mumbai -400093
Branches : DD Jewels Market, 4th floor, 1st Agyari Lane, Zaveri Bazar, Opp Khau Galli, Mumbai-400003
Branches : Thrissur (Kerala), BDB BKC (Mumbai)

डिजिटल गोल्ड की कसक, बाहर निकलने लगे निवेशक

सेबी के आगाह करने के बाद डिजिटल सोना बेचने वाले फिनटेक प्लेटफॉर्मों से निवेशकों के निकलने की दर में लगभग 3 गुना इजाफा हुआ है। उद्योग सूत्रों ने यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने लोगों को ऐसी योजनाओं के प्रति सतर्क किया था। कई प्रतिभागियों ने माना कि इस सलाह ने प्लेटफॉर्मों को मुश्किल में डाल दिया है। 8 नवंबर को सेबी ने एक बयान में कहा कि डिजिटल सोने की योजनाएं बाजार नियामक के दायरे से बाहर हैं। इसका मतलब है कि नियामक सोने की भौतिक मौजूदगी और शुद्धता की पुष्टि के लिए फिनटेक प्लेटफॉर्म की पारंपरिक तिजोरियों का निरीक्षण नहीं कर सकता, क्योंकि ये कंपनियां नियामकीय निगरानी से बाहर काम करती हैं।

एक फिनटेक कंपनी के संस्थापक ने नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा, प्लेटफॉर्म के उपयोगकर्ताओं को अब स्पष्ट हो गया है कि ये बिना नियमन वाली योजना हैं। भौतिक सोने की इन्वेंट्री और उसकी शुद्धता का ऑडिट करने वाला कोई नियामक नहीं है, जो एक समस्या बन सकती है। सेबी ने कहा कि डिजिटल या ई- गोल्ड की मार्केटिंग भौतिक सोने निवेश के विकल्प के रूप में की जा रही है। बाजार नियामक ने पिछले सप्ताह कहा था, ऐसी डिजिटल गोल्ड योजनाएं सेबी के नियमन वाली गोल्ड योजनाओं से अलग हैं क्योंकि इन्हें न तो प्रतिभूतियों के रूप में अधिसूचित किया जाता है और न ही कमोडिटी डेरिवेटिव के रूप में इनका नियमन किया जाता है। ये पूरी तरह सेबी के दायरे से बाहर संचालित होती हैं। ऐसे डिजिटल गोल्ड उत्पाद निवेशकों के लिए बड़ा जोखिम पैदा कर सकते हैं और निवेशकों को परिचालन जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है। तथापि कई सप्ताह की बढ़त के बाद सोने की कीमतों में नरमी आई है । अब फोकस इस पर हो गया है कि ये प्लेटफॉर्म अपने उपयोगकर्ता की जमा राशि के बदले, कैसे अपनी स्वर्ण तिजोरियों का प्रबंधन करते हैं। उद्योग के एक अन्य जानकार ने कहा, इस बात की भी चिंता है कि कंपनियां अपने ग्राहक को पूरी तरह से जानने (केवाईसी) के मानदंडों का पालन कर रही हैं या नहीं और यूजर का रकम का स्रोत क्या है क्योंकि हो सकता है कि वे पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बिना डिजिटल सोना खरीद रहे हों।

उद्योग जगत के जानकारों ने बताया कि अब ध्यान गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) पर है, क्योंकि उनका नियमन होता है और इसलिए वे सुरक्षित हैं। एक कंपनी के संस्थापक ने बताया, सेबी गोल्ड या सिल्वर ईटीएफ की पेशकश करने वाली फर्मों का नियमित ऑडिट करता है। अगर आप अभी डिजिटल गोल्ड खरीदते हैं और उसके तुरंत बाद बेच देते हैं तो आपको कम कीमत मिल सकती है क्योंकि इसमें जीएसटी और कमीशन शामिल होता है, जो ईटीएफ में नहीं होता।

लेकिन फिनटेक कंपनियों का मानना है कि वे सोने के भंडार के लिए अधिकृत गोल्ड लॉजिस्टिक्स भागीदारों के साथ काम करती हैं और केवल तकनीक ही मुहैया कराती हैं जो उपयोगकर्ताओं को सोने में निवेश करने में सक्षम बनाती है। जार और गुल्लक जैसी विशेष फिनटेक कंपनियों की लोकप्रियता बढ़ी है, जिन्होंने उपयोगकर्ताओं को डिजिटल सोने में आवर्ती छोटी राशि का निवेश करने में सक्षम बनाया है। पेटीएम, फोनपे और अन्य कंपनियों ने भी अपने उपयोगकर्ताओं को डिजिटल सोने में निवेश की सुविधा दे रखी है।

Madhuban Toyota
A fresh experience in customer delight

TOYOTA

FEEL THE *Awesome* BEAT

TOYOTA PRESENTS DRUMTAO

INTRODUCING

AERO EDITION

SCAN TO KNOW MORE

STARTING FROM ₹10.94 LAKH*

Kurla / Bandra / Lower Parel / Breach Candy / Badlapur
0224243 1999 / +9198197 97976

*T&C apply. Creative visualization. Digitally created visual. Picture of vehicle was not taken while driving.

ADVANCED.
HYBRID.
Awesome

URBAN CRUISER
HYRYDER
SELF-CHARGING HYBRID ELECTRIC SUV

TOYOTA
U TRUST
Buy | Sell | Exchange - Used cars

The New House
SANGAM HOUSE
awaits to welcome you

Innovation in every creation

SANGAM

HOUSE OF JEWELS

Raman Solanki Group

SANGAM HOUSE OF JEWELS LLP

Swarn House, 3rd Floor, 17/19 Dhanji Street, Zaveri Bazaar, Mumbai, 400003

+91 99200 33377

Follow us on

M. V. Jain
93222 26413

Pravin M. Jain
98200 63687

Shree vardhaman JEWELLERS

MFG. & WHOLESALERS OF :
ALL TYPES OF MACHINE CHAINS & ORNAMENTS

8, 1st Floor, Ladiwala Chambers, 11-13, Shaikh Memon Street Mumbai - 400 002. INDIA.
Tel.: 022 2242 6010 / 022 2242 3989 98200 63687 • Email : shreevardhamanjew@gmail.com

BRIDES
Of
SHANKESH
Shankesh®
Jewellers Ltd.
Crafting Timeless
Jewellery with Passion
101, Mumbadevi Chambers, 3rd Floor, Office No. 12, Zaveri Bazaar, Mumbai - 400002
Tel - +91 22 2347 0009 / 08 E-mail - shankjewel@gmail.com / info@shankeshjewellers.com

चीन के इस फैसले का भारत पर असर पड़ना तय

नई दिल्ली। चीन ने सोने की बिक्री पर लंबे समय से चली आ रही टैक्स छूट खत्म कर दी है। यह फैसला 1 नवंबर से लागू हो गया है। इस कदम से उपभोक्ताओं के लिए सोने की कीमतें बढ़ सकती हैं। यही नहीं, दुनिया के सबसे बड़े सोने के बाजारों में कीमतों का गणित बदल सकता है। चीन के वित्त मंत्रालय ने घोषणा की है कि अब सोने के खुदरा विक्रेता शंघाई गोल्ड एक्सचेंज से खरीदे गए सोने की बिक्री पर लगने वाले वैल्यू-एडेड टैक्स (वैट) को ऑफसेट नहीं कर पाएंगे। यह नियम सोने के सभी प्रकारों पर लागू है। चाहे वह सीधे बेचा जाए या गहने, सिक्के, उच्च-शुद्धता वाले बार या औद्योगिक सामग्री के रूप में तैयार किया जाए। यह चीन के कीमती धातु के टैक्सेशन स्ट्रक्चर में बड़ा बदलाव है।

चीन ने सोने की बिक्री पर टैक्स छूट खत्म कर दी है। यह फैसला 1 नवंबर से लागू हो गया है। इससे सोने की कीमतें बढ़ सकती हैं। भारत जैसे देशों पर भी इसका असर पड़ेगा। चीन की मांग में कमी से वैश्विक कीमतों पर दबाव आ सकता है। इससे भारत के लिए सोना आयात सस्ता हो सकता है।

चीन के सोने की बिक्री पर छूट को खत्म करने के फैसले का भारत पर भी सीधा असर पड़ सकता है। भारत और चीन दोनों ही दुनिया में सोने के सबसे बड़े उपभोक्ता हैं। चीन के बाजार में किसी भी बड़े बदलाव का असर वैश्विक सोने की कीमतों और ट्रेड डायनेमिक्स पर पड़ना तय है। इसका असर अप्रत्यक्ष रूप से भारत पर भी पड़ेगा।

भारत पर कैसे पड़ सकता है असर?

चीन में सोने की खरीद पर वैट छूट खत्म होने से खुदरा लागत बढ़ जाएगी। अगर कीमतें बढ़ती हैं तो चीनी उपभोक्ताओं की तरफ से सोने की मांग कुछ समय के लिए नरम पड़ सकती है। चूंकि चीन सोने का सबसे बड़ा उपभोक्ता है, इसलिए उसकी घरेलू मांग में कमी आने से वैश्विक सोने की कीमतों पर थोड़ा दबाव आ सकता है। अगर ग्लोबल कीमतें नीचे आती हैं तो भारत के लिए सोना आयात करना सस्ता हो सकता है।

चीन में सोने के महंगा होने से व्यापारी और खरीदार भारत, हांगकांग या सिंगापुर जैसे पड़ोसी बाजारों में कीमत के अंतर पर नजर रख सकते हैं। यह बदलाव क्रॉस-बॉर्डर गोल्ड ट्रेड फ्लो को प्रभावित कर सकता है। अगर चीन में कीमतें काफी बढ़ जाती हैं तो भारत (या अन्य नजदीकी बाजार) अंतरराष्ट्रीय गोल्ड ट्रेड में अधिक प्रमुखता हासिल कर सकते हैं। भारत अपनी सोने की ज्यादातर मांग को आयात के जरिये पूरा करता है। अगर वैश्विक सोने की कीमतें कम होती हैं तो भारत को उतना ही सोना खरीदने के लिए कम डॉलर खर्च करने पड़ेंगे। इससे देश का आयात बिल कम हो सकता है और रुपये को मजबूती मिल सकती है।

यह फैसला क्यों अहम है?

यह फैसला ऐसे समय में आया है जब चीन की अर्थव्यवस्था कमजोर घरेलू मांग और धीमी ग्रोथ से जूझ रही है। सरकार नए राजस्व स्रोतों की तलाश कर रही है। इस टैक्स राहत को खत्म करने से सरकारी आय बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि, विश्लेषकों का कहना है कि इससे अंतिम उपभोक्ताओं के लिए सोने की कीमतें बढ़ सकती हैं। छोटी अवधि में खुदरा मांग कम हो सकती है।

कई सालों से चीन की वैट ऑफसेट प्रणाली ने खुदरा विक्रेताओं को शंघाई गोल्ड एक्सचेंज से खरीदे गए सोने की बिक्री पर अपना टैक्स बोझ कम करने की अनुमति देकर घरेलू सोने की कीमतों को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने में मदद की थी। इस फायदे के बिना खुदरा विक्रेताओं को अब कम मुनाफा मार्जिन का सामना करना पड़ सकता है। उन्हें या तो अतिरिक्त लागत खुद वहन करनी होगी या ग्राहकों पर डालनी होगी।

कीमतें बढ़ने का असर

इसका सीधा असर खुदरा स्तर पर महसूस होगा। ब्लूमबर्ग ने एक उद्योग विश्लेषक के हवाले से बताया, वैट ऑफसेट का मतलब है सोने की पूरी रिटेल चेन के लिए लागत में वृद्धि। उन्होंने आगे कहा, जो खुदरा विक्रेता पहले से ही कम मुनाफे पर काम कर रहे थे, उन्हें अब कठिन विकल्प चुनने होंगे - या तो कीमतें बढ़ाएं या कम लाभ स्वीकार करें। चीनी उपभोक्ता, जिन्होंने सोने में सुरक्षित निवेश और सांस्कृतिक निवेश दोनों के रूप में मजबूत रुचि दिखाई है, उन्हें गहनों और निवेश-ग्रेड सोने की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। इस कदम से घरेलू मांग में भी अस्थायी रूप से कमी आ सकती है, खासकर कीमत-संवेदनशील खरीदारों के बीच। हालांकि, मूल्य के भंडार के रूप में सोने के प्रति दीर्घकालिक भावना मजबूत बने रहने की उम्मीद है।

बाजारों में मच सकती है खलबली

चीन का वैश्विक सोने के बाजारों पर प्रभाव बहुत बड़ा है। इसलिए इस नीति के व्यापक परिणाम हो सकते हैं। चीन सोने का दुनिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता और आयातक है। मांग में कोई भी कमी अंतरराष्ट्रीय कीमतों को प्रभावित कर सकती है। हालांकि, वैश्विक सोने की कीमतें लगभग 4,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के आसपास बनी हुई हैं। कुछ विश्लेषक एक साल के भीतर 5,000 डॉलर तक की भविष्यवाणी कर रहे हैं। अगर वैश्विक मांग मजबूत बनी रहती है तो बुलियन का ऊपरी ट्रेंड जारी रह सकता है। चीन की खुदरा मूल्य निर्धारण में बदलाव सीमा पार सोने के व्यापार प्रवाह को भी प्रभावित कर सकता है, खासकर हांगकांग, सिंगापुर और भारत जैसे पड़ोसी बाजारों में, जहां कीमतों का अंतर अक्सर उपभोक्ता और व्यापारी के व्यवहार को निर्देशित करता है।

मुंबई के जवेरी बाजार में संजय अग्रवाल द्वारा आर. वी. अग्रवाल एंड संस का भव्य शुभारंभ

आर. वी. अग्रवाल एंड संस ने 6 नवंबर 2025 को जवेरी बाजार में अपने नए उद्यम का भव्य उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में रत्न एवं आभूषण उद्योग के कई प्रमुख हस्तियाँ उपस्थित रहीं। इनमें जीजेसी के अध्यक्ष राजेश रोकडे, जीजेसी के उपाध्यक्ष अविनाश गुप्ता, जीजेसी के आईपीसी संयम मेहरा, जीजेसी पूर्व अध्यक्ष आशीष पेठे, नीतिन खंडेलवाल, आभूषण टाइम्स के संपादक राकेश लोढ़ा और राजमुद्रा ज्वेलर्स के निदेशक नीलेश शोभावत शामिल थे। आर. वी. अग्रवाल एंड संस के साझेदारों संजय अग्रवाल, आशीष रायचूरा और सुयश अग्रवाल ने अपनी टीम के साथ मिलकर सम्मानित अतिथियों और उद्योग के गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। जवेरी बाजार में यह नई शुरूआत न केवल एक कंपनी लॉन्च का प्रतिनिधित्व करती है, बल्कि

ईमानदारी, गुणवत्ता और उत्कृष्टता में अटूट विश्वास द्वारा परिभाषित विरासत की निरंतरता का प्रतिनिधित्व करती है।

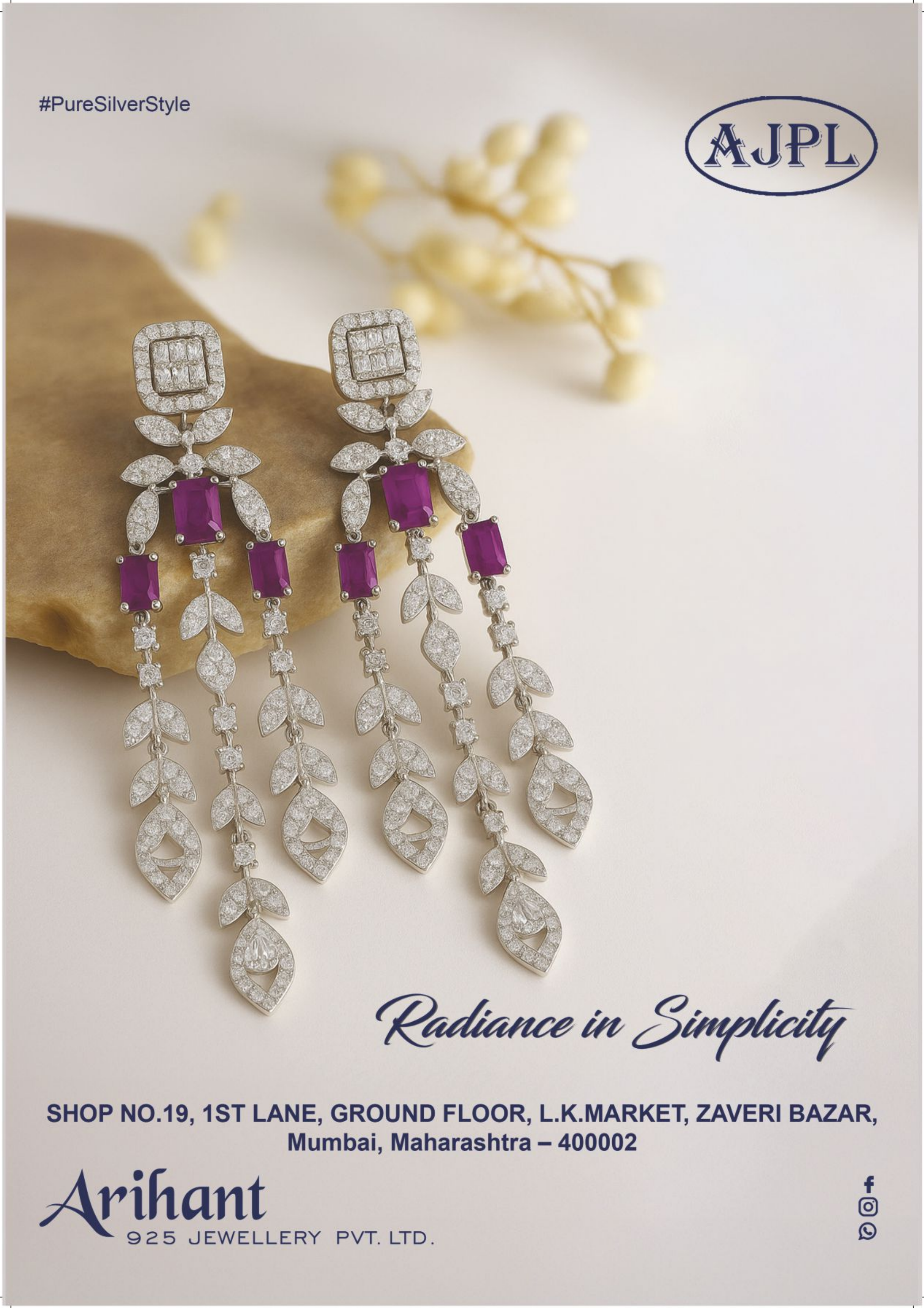
#PureSilverStyle
AJPL
Radiance in Simplicity
SHOP NO.19, 1ST LANE, GROUND FLOOR, L.K.MARKET, ZAVERI BAZAR,
Mumbai, Maharashtra – 400002
Arihant
925 JEWELLERY PVT. LTD.

DL LAKHANI

Beyond Celebrations...

Dewang Lakhani
9819384241

With Best Compliments From

- LAKHANI CATERERS
- LAKHANI TRADERS
- LAKHANI CATERING
- LAKHANI HOSPITALITY
- NITYA INC

LD Lakhani Decorator

Rajesh Lakhani
9820084241

OUR PANEL : • **SAYA RESORT** (BHIWANDI) •**TULIP STAR** (JUHU, VILE PARLE W) •**NSCI**(WORLI) • **QUEENS LAWN** (BORIVILI W)

OUR ASSOCIATES • **BAYVIEW** (MAZGAON) • **KUTCHI GROUND** (BORIVILI W) • **PARSEE GYMKHANA** (MARINE DRIVE) • **KORA KENDRA GROUND** (BORIVILI W) • **WILSON GYMKHANA** (MARINE DRIVE) • **PUSPANJALI GROUND** (BORIVILI W) • **ISLAM GYMKHANA** (MARINE DRIVE) • **SRPF GROUND** (JOGESHWARI E) • **SOMAIYA GROUND** (GHATKOPAR) • **JVPD** (JUHU,VILE PARLE W)

MOGRA Banquet by D Lakhani Hospitality / Rajiv Gandhi Institute, Versova Link Road, (Andheri West).

Our Banquets

BANQUET • CATERING • DECOR • HOSPITALITY

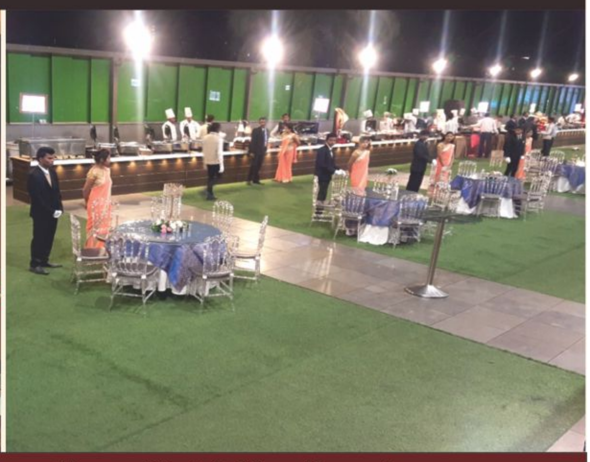

LAKHANI BANQUET

Managed By D Lakhani Hospitality
(Malad West)

Address: Office No 6, 1st Floor, kutch Castle Building, Opp.Tiwari Sweets,Opera House, Mumbai - 400004.

Follow Us On **D LAKHANI HOSPITALITY** http://dlakhanihospitality.com/

भारत की तिजोरी पर डबल अटैक सरकार की बढ़ी टेंशन गणित बदलने का कसूरवार कौन?

अंतरराष्ट्रीय बाजार में चल रही उथल-पुथल भारत के लिए नई चुनौती है। ओपेक+ देशों की ओर से तेल उत्पादन पर रोक और वैश्विक मंदी के डर से सोने-चांदी की कीमतों में तेजी की आशंका है। इससे भारत का आयात बिल बढ़ सकता है और 2026 की शुरुआत में महंगाई भड़क सकती है।

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चल रही उथल-पुथल ने भारत की वित्तीय स्थिरता के लिए नई चुनौती खड़ी कर दी है। एक तरफ, रूस समेत ओपेक+ देशों की ओर से कच्चे तेल के उत्पादन पर 'पॉज' (रोक) लगाए जाने से तेल की कीमतों में उछाल का डर है। वहीं, दूसरी ओर ग्लोबल मंदी के डर और फेडरल रिजर्व के मौद्रिक फैसलों के कारण सोने-चांदी जैसी सुरक्षित संपत्तियों में नई तेजी की भविष्यवाणी होने लगी है। इससे देश का आयात बिल बेतहाशा बढ़ सकता है। कारण है कि तेल के साथ सोने-चांदी का भारत बहुत बड़ा उपभोक्ता है। इससे 2026 की शुरुआत में भारत महंगाई भड़क सकती है। यह 'डबल अटैक' भारतीय नीति निर्माताओं और आम जनता दोनों के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

ऑस्ट्रेलिया-ट्रेडिंग.कॉम के सीईओ पीटर मैकगवायर ने कहा है कि ग्लोबल कमोडिटी बाजार में उतार-चढ़ाव का दौर जारी रहेगा। इसकी वजह ओपेक+ का उत्पादन बढ़ोतरी रोकना और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर नीति है, जो निवेशकों को चिंतित कर रही है। फेड की ब्याज दरें कम होने पर 2026 की शुरुआत में सोने और चांदी की कीमतें बढ़ सकती हैं।

ओपेक+ ने दिसंबर में उत्पादन टारगेट थोड़ा बढ़ाकर बाजारों को चौंका दिया था। लेकिन, 2026 की पहली तिमाही में यह समूह सावधानी बरतेगा। दूसरी तिमाही तक, समूह कीमतों को स्थिर रखने और बाजार हिस्सेदारी बनाए रखने के बीच संतुलन बनाते हुए उत्पादन को लेकर नए फैसले ले सकता है। वैश्विक मांग, अमेरिकी डॉलर की चाल और टैरिफ (आयात शुल्क) से जुड़े घटनाक्रम तेल की कीमतों को प्रभावित करने वाले मुख्य फैक्टर बने रहेंगे।

भारत के लिए ओपेक+ देशों की ओर से उत्पादन पर 'पॉज' कई तरह से महत्वपूर्ण है। ओपेक+ प्रमुख तेल उत्पादक देशों का समूह है। इसमें रूस, सऊदी अरब समेत 22 देश शामिल हैं। इसका तेल उत्पादन को बढ़ाने की योजना पर रोक लगा देना या उसे सीमित कर देना सीधे तौर पर भारत पर असर डालेगा। इससे वैश्विक बाजार में तेल की सप्लाई सीमित रहने के आसार हैं। इससे कीमतें ऊंची बनी रहेंगी या अचानक बढ़ भी सकती हैं।

भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए तेल आयात पर बहुत ज्यादा निर्भर है। ऊंची तेल कीमतें होने पर आयात बिल बहुत अधिक बढ़ जाएगा। इससे देश का व्यापार घाटा भी बढ़ेगा। साथ ही भारतीय रुपया कमजोर होगा। यह महंगाई को हवा दे सकता है। कारण है कि इससे पेट्रोल, डीजल और दूसरे पेट्रोलियम उत्पादों के महंगे होने की आशंका है।

वहीं, दूसरी तरफ वैश्विक मंदी की आशंकाएं बढ़ गई हैं। जब आर्थिक अनिश्चितता बढ़ती है तो निवेशक सोने और चांदी जैसी सुरक्षित संपत्तियों की ओर रुख करते हैं। इससे उनकी मांग और कीमतें तेजी से बढ़ती हैं। तेल की ही तरह भारत दुनिया में सोने के सबसे बड़े आयातकों में है। ऊंची कीमतें होने पर आयात बिल पर फिर से दबाव बढ़ेगा। घरेलू बाजार में महंगाई और बढ़ने की आशंका है। इससे आम आदमी की खरीदने की ताकत घट जाएगी।

सोने की कीमत उछली तो लौट आई हीरे की चमक वेडिंग सीजन में खूब हो रही खरीदारी, दोगुना से ज्यादा हुई डिमांड

नई दिल्ली। साल 2025 में सोने की कीमत में काफी तेजी आई है। इस कारण इसे खरीदने वालों की संख्या में कमी देखी गई है। वहीं इस समय शादियों का भी सीजन शुरू हो गया है। इस सीजन में भी सोने की मांग में कमी देखी जा रही है। 16 अक्टूबर 2025 को दिवाली से कुछ दिन पहले MCX पर सोने का भाव 1,28,395 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। इस साल 12 नवंबर तक सोने के दाम 62 प्रतिशत से भी ज्यादा बढ़ चुके हैं। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार सोने की आसमान छूती कीमत के कारण भारतीय ग्राहक सस्ते विकल्प की ओर मुड़ रहे हैं। इसमें लैब-ग्रोन डायमंड (LGDs) की डिमांड सबसे ज्यादा है। डेलॉइट इंडिया के पार्टनर प्रवीण गोविन्दु कहते हैं कि भारत में शादियों का सीजन अभी चल रहा है, लेकिन लैब-ग्रोन डायमंड्स की बिक्री पर इसका असली असर सीजन खत्म होने के बाद ही पता चलेगा। हालांकि शुरुआती संकेत बताते हैं कि खरीदारों, जैसे कि दूल्हा-दुल्हन, शादी में शामिल होने वाले मेहमानों और गहने गिफ्ट करने वालों के बीच लैब-ग्रोन डायमंड की मांग काफी बढ़ गई है। यह मांग सोना महंगा होने के कारण बढ़ी है। पिछले साल की तुलना में सोने के दाम 30 से 35 प्रतिशत बढ़ गए हैं, जिससे कई खरीदारों के लिए पारंपरिक सोने के गहने खरीदना मुश्किल हो गया है।

इन कंपनियों के पास बढ़ गई डिमांड

लैब-ग्रोन डायमंड्स बनाने वाली कंपनियां जैसे Limelight, Akiorah और Lucira पिछले साल इसी समय की तुलना में अपनी मांग में भारी उछाल देख रही हैं। Limelight Lab Grown Diamonds की फाउंडर और एमडी पूजा सेठ माधवन बताती हैं कि उनकी कंपनी ने पिछले साल की तुलना में मांग में लगभग 2.5 गुना वृद्धि देखी है। उन्होंने कहा कि ग्राहक सिर्फ देख ही नहीं रहे, बल्कि आत्मविश्वास से लैब ग्रोन डायमंड में बड़े सोलिटेयर और खास ब्राइडल पीस खरीद रहे हैं, क्योंकि इनकी कीमत कम है और क्वालिटी माइन किए गए डायमंड्स जैसी ही है। ब्राइडल कलेक्शन और गिफ्टिंग कैटेगरी में डिमांड सबसे ज्यादा है।

मुंबई की लैब-ग्रोन डायमंड फर्म Lucira भी एंगेजमेंट रिंग्स, टेनिस ब्रेसलेट्स और अपने खास कलेक्शन की वजह से ब्राइडल और गिफ्टिंग सेगमेंट में जबरदस्त मांग देख रही है। Lucira के को-फाउंडर रुपेश जैन ने कहा कि प्री-वेडिंग गिफ्टिंग में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। ग्राहक सिर्फ शादी के दिन के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे उत्सव के दौरान पहनने के लिए लैब-ग्रोन डायमंड्स के पीस खरीद रहे हैं।

जेनजी में भी काफी ट्रेंड

GenZ और युवा मिलेनियल्स में भी लैब ग्रोन डायमंड का क्रेज देखने को मिल रहा है। एक्सपर्ट के मुताबिक गहनों को अब एक फैशन एक्सेसरी के तौर पर देखा जा रहा है जिसे पहना जाए, न कि एक ऐसी संपत्ति के तौर पर जिसे जमा करके रखा जाए। इस बदलाव से खरीदार ऐसे वर्सेटाइल वॉर्डरोब बना रहे हैं जिसमें अलग-अलग कपड़ों और मौकों के लिए कई तरह के गहने हों। लैब ग्रोन डायमंड कम कीमत पर उपलब्ध हैं। इस कारण ग्राहक स्टाइल या क्वालिटी से समझौता किए बिना ज्यादा पीस खरीद सकते हैं।

carron
ready made garments
Styled to steal the spotlight
Carron Clothing
Kalbadevi | Kemps Corner
Contact Number : +91 8866435435
carronclothing
carronfashion

ROYAL CHAIN
PRIVATE LIMITED
#HameshaKeLiyeRoyal
Kolkatta | Surat | Dubai | Chennai | Thrissur
1st Floor, Royal House, Khara Kuwa, 127/129,
Shaikh Menon Street, Zaveri Bazaar, Mumbai, Maharashtra - 400 002
18kt. Department: +91 88797 76580 22kt. Department: +91 897690 20737
022 2311 9999
royalchains.com
Royal Chain
Royal Chain Private Limited

SAMRUDDHI
JEWELCRAFT
Crafting Happiness
"The sparkle of Gold,
the Magic of Jewellery."
samruddhijewelcraft@gmail.com
Dinesh Jain +91 9320670627 |
Nikhil Jain +91 9819603187
A/1402,Aaditya Pearl, Ramwadi,
Kalbadevi Road, Mumbai- 400002

DINTARA JEWELS

Lab Grown Diamond Jewellery

a brand by **Choksi Vimal® Bullion LLP** *Since 1949*

Shop No. 3/4, 27, Round Chawl, Mumbadevi Road, Tambakata, Kalbadevi, Mumbai, Maharashtra - 400 002.
Intercom : 2781# | Tel.: 022 - 61832781, Email : shine@dintara.in, Web.: www.dintara.in

If undelivered Return to : 407, Kalbadevi Road, Daulat Bhavan, Office No. 203, 2nd Floor, Mumbai-400 002